दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 293/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 05 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

पीएम मोदी ने लगाया सिंदूर का पौधा

विश्व पर्यावरण दिवस: बताया नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का प्रतीक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया। इस पौधे को उन्हें 1971 के युद्ध के दौरान उल्लेखनीय साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने उपहारस्वरूप दिया था। इस पहल को हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

कच्छ की यात्रा के दौरान महिलाओं ने किया था गिफ्ट

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- यह पौधा देश की महिलाओं की वीरता और प्रेरणा का एक मजबूत प्रतीक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में कच्छ की यात्रा के दौरान, 1971 के युद्ध के दौरान उल्लेखनीय साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक ग्रुप ने उनसे मुलाकात की और ये पौधे भेंट किए। उन महिलाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए पीएम ने वादा किया कि वह अपने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर इस पौधे को लगाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सिंदूर के पौधे का चयन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत करने के लिए अपने सैन्य कार्रवाई का नाम ऑपरेशन सिंदूर दिया था। सिंदूर पारंपरिक रूप से विवाहित हिंदू महिलाओं द्वारा लगाया जाता है, जो उनके सुहाग का प्रतीक होता है।

हर देश को स्वार्थ से ऊपर उठना होगा-पीएम मोदी

एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो मैसेज में पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक जलवायु की सुरक्षा के लिए हर देश को स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करना इस साल के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है और भारत पिछले चार-पांच वर्षों से लगातार इस पर काम कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि मिशन लाइफ, जो संसाधनों के सोच-समझकर इस्तेमाल और टिकाऊ जीवन शैली को अपनाने की वकालत करता है, दुनिया भर में एक सार्वजनिक आंदोलन बन रहा है। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने अपने दैनिक जीवन में कम करें, दोबारा इस्तेमाल करें और रीसाइकिल करें के मंत्र को अपनाया है। एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने लोगों से ग्रह की रक्षा करने और पर्यावरणीय चुनौतियों पर काबू पाने के लिए अपने प्रयासों को और बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ÷मैं उन सभी लोगों की भी सराहना करता हूं जो हमारे पर्यावरण को हरा-भरा और बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।

मोदी ने दिल्ली को दी सौगात

200 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

दिल्ली के लोगों के लिए खुशखबरी है। पीएम मोदी ने दिल्ली को 200 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात दी है। गुरुवार को पर्यावरण दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने 200 ष्ठश्वड्ढढ्ढ इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इन बसों की मदद से लोग अपनी मंजिल तक आसानी से पहुंच सकेंगे। साथ ही प्रदूषण से जूझ रही राजधानी दिल्ली को भी राहत मिलेगी।

इन रूट पर दौड़ेंगी नई इलेक्ट्रिक बसें- नई देवी इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली के चार प्रमुख डिपो कुशक नाला, गाजीपुर, द्वारका और ईस्ट विनोद नगर से ऑपरेट की जाएंगी। ये बसें ईस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली, साउथ दिल्ली, साउथ वेस्ट दिल्ली और सेंट्रल दिल्ली के कई अहम रूट पर चलेंगी।

पीएम मोदी ने दिया ये खास संदेश- पीएम मोदी ने दिल्ली के लोगों को 200 देवी इलेक्ट्रिक बसों की सौगात देने के साथ ही पर्यावरण के लिए भी खास संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण के तहत अपनी प्रतिबद्धता को एक और कदम आगे बढ़ाया। उन्होंने लोगों को एक पेड़ मां के नाम% पहल की शुरुआत की। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक पेड़ मां के नाम पहल से जुड़ें और पेड़ लगाएं। साथ ही लोगों से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

दिल्ली में चलेंगी 2080 देवी इलेक्ट्रिक बसें

हाल ही में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी थी कि इस साल के अंत तक दिल्ली में 2080 देवी बसें चलाई जाएंगी। इन बसों का रूट 12 किलोमीटर तक है। इन बसों में कुल 23 सीटें होती हैं। इनमें से 6 पिंक सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं।

बेंगलुरु भगदड़, कर्नाटक सीएम डिप्टी सीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज

भाजपा ने इस्तीफा मांगा, हाईकोर्ट ने घटना का नोटिस लिया

बेंगलुरु। पहली बार आईपीएम विजेता बनने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का जश्न बुधवार को बड़े हादसे में बदल गया। विजेता खिलाड़ियों के स्वागत में यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जुटी भीड़ में भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई। 33 घायल हैं।

इसको लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट ने खुद नोटिस लिया है। कोर्ट दोपहर मामले में सुनवाई करेगा। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कब्बन पार्क थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में ष्टरू सिद्धारमैया, डिप्टी ष्टरू डीके शिवकुमार और कर्नाटक क्रिकेट बोर्ड पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

कल घटना के बाद शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ष्टरूसिद्धारमैया ने कहा कि %मैं इस घटना का बचाव नहीं कर रहा, लेकिन देश में पहले भी कई बड़े हादसे हुए हैं, जैसे कुंभ मेले में 50-60 लोगों की जान गई। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हम जिम्मेदारी से बचें। वहीं, भाजपा ने उनके इस्तीफे की मांग की है।

पर्यावरण विषयों पर पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को मिली स्कॉलरशिप

विश्व पर्यावरण दिवस पर भोपाल में नए पाठ्यक्रम-डिग्री भी लॉन्च

भोपाल। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गुरुवार को राज्य स्तरीय विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम हुआ।। इस दौरान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण हितग्राही मोबाइल एप्लिकेशन समेत कई योजनाओं का शुभारंभ किया। साथ ही पर्यावरण से जुड़े विषयों में पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी। इस कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप सिंह परिहार, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, कृष्णा गोड़, मालती राय, रामेश्वर शर्मा और भगवानदास सबनानी मंच पर मौजूद रहे।

पर्यावरण से जुड़ा नया पाठ्यक्रम लॉन्च

कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रयोग की भी घोषणा हुई और पर्यावरण विषय पर पीएचडी कर रहे छात्रों को छात्रवृत्ति देने और पर्यावरण से संबंधित नए पाठ्यक्रम और डिग्री को भी लॉन्च किया गया।

नगर पालिका और परिषद सम्मानित

भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पर्यावरण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया। खंडवा नगर निगम को ?1.5 लाख, सतना नगर निगम और सिवनी मालवा नगर परिषद सहित इंदौर जिले की गौतमपुरा परिषद को भी पुरस्कृत किया गया।

95 हजार कुओं को रिचार्ज किया गया

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 95,500 कुओं को रिचार्ज किया गया है, जिससे लोगों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने राजस्थान जल समझौते और तासी परियोजना का भी उल्लेख किया।

आज प्रदेश में पहली बार वेलनेस इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की पहल

आज प्रदेश में पहली बार वेलनेस का आयोजन हो रहा है। एमपीआईडीसी के माध्यम से इस आयोजन में उज्जैन को धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी के साथ-साथ एक सशक्त आध्यात्मिक हब बनाने पर जोर दिया जाएगा। इस समिट में देश के प्रतिष्ठित आध्यात्मिक मार्गदर्शक, नीति निर्माता, आयुर्वेद, योग और जीवनशैली विशेषज्ञ भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने को विश्व पर्यावरण दिवस पर उज्जैन एयर स्ट्रिप परिसर में सिंदूर का पौधा रोपा।

देश में प्राचीन काल से पौधों में प्राण की मान्यता

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब लोग जन्मदिन और शादी की सालगिरह जैसे अवसरों पर पेड़ लगाकर उन्हें यादगार बना रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान की सराहना की और कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से पौधों में प्राण की मान्यता रही है।

पिछले साल 5 करोड़ पेड़ लगाए गए

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि 1972 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी। प्रधानमंत्री की मुहिम पर चलते हुए इस साल मध्य प्रदेश में भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। पिछले साल सरकार ने 5 करोड़ लगाए थे।

पर्यावरण मंत्री दिलीप सिंह ने कहा कि प्लास्टिक हमारे जीवन में बड़ी चुनौती बन चुका है और इसके खिलाफ पूरे प्रदेश में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जल संरक्षण के लिए 'जल-गंगा संवर्धन अभियान' भी चार महीने से चल रहा है जिसमें मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी सक्रिय रूप से शामिल हैं।

पंजाब पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान

कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों से किया संवाद खेतों में चलाया ट्रैक्टर

पटियाला। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज शुक्रवार एक दिवसीय दौरे पर पंजाब पहुंचे हैं। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य किसानों से सीधा संवाद स्थापित करना, कृषि क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है।

सुबह सबसे पहले मंत्री चौहान ने पटियाला जिले के ग्राम राजपुरा में आयोजित किसान चौपाल में पहुंचे। जहां उन्होंने स्थानीय किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इसके बाद विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने पटियाला में पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है।

खेतों में खुद ट्रैक्टर चलाते दिखे

किसानों के बाद किसान पटियाला में खेतों में उतरे। जहां उन्होंने खुद ट्रैक्टर चलाया। उन्होंने इस दौरान कहा कि पंजाब की धरती बहुत ही ज्यादा उपजाऊ है। सीधी धान की खेती का उन्होंने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ऐसा कर किसान काफी अधिक पानी बचा सकते हैं।

कृषि संकल्प अभियान को करेंगे संबोधित

मंत्री चौहान पटियाला के ग्राम रौनी पहुंचेंगे। जहां उन्होंने विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करना है। वे इस अभियान में किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने और उनकी आय दोगुनी करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करेंगे।

सांध्यप्रकाश विशेष

5 साल के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। 5 साल के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक नियुक्त किए गए हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा में तमिलनाडु कैडर के 2011 बैच के ढ्ढस् अधिकारी वी जया चंद्र भानु रेड्डी को पांच साल के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सक्षम प्राधिकारी ने पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच साल की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, केंद्रीय स्टाफिंग योजना के तहत श्री रेड्डी की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

अयोध्या में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हुई

सूरत के कारोबारी ने हीरे जड़े सोने-चांदी के आभूषण दान दिए

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार की अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। सीएम योगी ने राम दरबार का पूजन किया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सुबह 11.25 से 11.40 बजे तक चला। रामलला के गर्भगृह के ऊपर यानी फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार बनाया गया है।

इसमें श्रीराम, मां सीता, तीनों भाई-लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ-साथ हनुमानजी की मूर्ति हैं। काशी के पुरोहित जय प्रकाश त्रिपाठी ने 101 पंडितों ने प्राण प्रतिष्ठा कराई। मंत्रोच्चारण के बाद मूर्तियों की आंखों पर बंधी पट्टियां खोली गईं और उन्हें आईना दिखाया गया। भगवान राम सहित चारों भाइयों के हाथों में धनुष है।

जहां गर्भगृह में भगवान राम बालक के रूप में हैं, वहीं रामदरबार में राजा के रूप में विराजमान हैं। श्रद्धालु राम दरबार के दर्शन कब से कर सकेंगे ट्रस्ट ने अभी इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

रामदरबार के लिए सूरत के कारोबारी मुकेश पटेल ने हीरे, सोने-चांदी के आभूषण दान दिए हैं। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवादिया ने कहा- दान दिए आभूषणों में एक हजार कैरेट का हीरा, 30 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना, 300 कैरेट रुबी से 11 मुकुट बनाए गए हैं। इनके अलावा, गले का हार, कान के कुंडल, माथे का तिलक, चारों भाइयों के लिए धनुष-बाण हैं।

इन आभूषणों को चार्टर्ड प्लेन से अयोध्या लाया गया। इसे राम मंदिर ट्रस्ट को दान किया गया।

परकोटे के 6 मंदिरों की भी प्राण प्रतिष्ठा हुई

राम दरबार के अलावा मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर बने परकोटे के 6 मंदिरों में भी प्राण प्रतिष्ठा हुई। इनमें भगवान शिव, श्रीगणेश, हनुमान, सूर्य भगवान, मां भगवती, मां अन्नपूर्णा के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा भी हुई। पिछले साल रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में जहां देशभर के बड़े कारोबारियों, फिल्मी हस्तियों को आमंत्रित किया गया था। वहीं, आज राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा में 350 लोगों को आमंत्रित किया है। इसमें ज्यादातर ट्रस्ट के पदाधिकारी, साधु संत हैं। रामदरबार की मूर्तियों को जयपुर में तैयार किया गया है। ये मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी हैं। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं।

गंगा दशहरा पर शिवलिंग पर खास वस्तुओं को चढ़ाने से मिलेगा मोक्ष

गंगा दशहरा का पावन पर्व 5 जून, 2025 को मनाया जा रहा। यह दिन देवी गंगा के पृथ्वी पर अवतरण दिवस के रूप में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान और दान का बड़ा महत्व है। कहते हैं कि जो साधक सच्ची श्रद्धा के साथ पूजा-पाठ करते हैं, उन्हें सुख-शांति की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन शिवलिंग पर कुछ खास वस्तुएं अर्पित करने से मनचाही मुरादें पूर्ण होती हैं।

गंगाजल- गंगा दशहरा के दिन शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही सभी पापों का नाश होता है।

दूध- गंगा दशहरा पर शिवलिंग पर दूध चढ़ाने से भगवान शिव खुश होते हैं। ऐसा करने से रोग-दोष से मुक्ति मिलती है।

बेलपत्र- बेलपत्र भगवान शिव को बहुत ज्यादा प्रिय है। ऐसे में इस शुभ दिन पर शिवलिंग पर कम से कम 3 या 5 बेलपत्र चढ़ाएं। इससे भगवान शिव की कृपा मिलेगी। इसके साथ ही धन की मुश्किलें दूर होंगी।

सफेद चंदन का लेप- शिवलिंग पर सफेद चंदन का लेप लगाने से शिव जी का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही इससे साधक को मानसिक शांति प्राप्त होती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

चावल चढ़ाएं- गंगा दशहरा पर शिवलिंग पर अक्षत चढ़ाने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके साथ ही घर में माता लक्ष्मी का वास होता है।

सफेद फूल- गंगा दशहरा के दिन शिवलिंग पर सफेद रंग के फूल चढ़ाएं। इन फूलों को चढ़ाने से घर में खुशियों का वास होता है।

शमी पत्र- अगर आप शनि दोष से पीड़ित हैं, तो गंगा दशहरा पर शिवलिंग पर शमी पत्र जरूर चढ़ाएं। ऐसा करने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

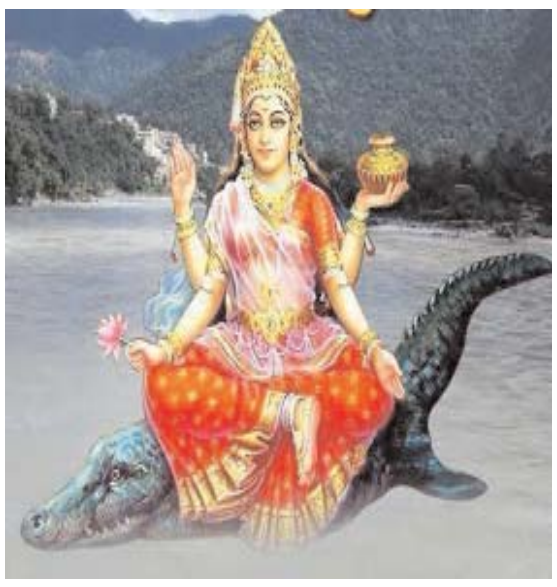

शुभ गंगा दशहरा

गंगा दशहरा का पावन पर्व मानव जीवन को तीन महत्वपूर्ण सूत्र प्रदान करता है-प्रयास, परीक्षा, तितिक्षा और उसके पश्चात सफलता। प्रयास जीवन में लक्ष्य प्राप्ति की प्रथम शर्त है। जितना बड़ा लक्ष्य होगा प्रयास भी उसी अनुपात में होना चाहिए। इसलिए बड़े लक्ष्य को पाना हो तो आपका प्रयास भी बड़ा ही होना चाहिए। लक्ष्य की दिशा में बढ़ते हुए परीक्षा दूसरा सोपान है। सफलता का कोई बाईपास नहीं होता, वो तो संघर्ष पथ पर सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़कर ही प्राप्त करनी होती है। लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली विघ्न-बाधाएं ही आपकी परीक्षा है। तितिक्षा ही जीवन की परीक्षा में डटे रहने की सामर्थ्य प्रदान करती है। प्रयास और परीक्षा के बाद जीवन में धैर्य का होना भी अनिवार्य है। धैर्य ही वो ऊर्जा है जो अनेक कठिनाइयों के बावजूद भी किसी व्यक्ति को उसके लक्ष्य की ओर निरंतर गतिमान रखती है। श्रेष्ठ के लिए सदा प्रयत्नशील रहें, कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिए सदा ऊर्जावान रहें और प्रत्येक विषम से विषम परिस्थितियों में भी धैर्यवान बने रहें। निश्चित ही माँ गंगा भी धरती पर उतरेंगी, आप राजा भगीरथ की तरह श्रेष्ठ संकल्प के साथ जीना तो सीखिए। आपसभी को गंगा दशहरा पर्व की अनंत शुभकामनाएं।

स्वच्छता अभियान.....

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। राजधानी भोपाल में झीलों के साथ ही नालों की सफाई की जा रही है।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर की पूजा-अर्चना

प्राचीन हनुमान मंदिर में श्रीराम दरबार प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे दिन हुआ अन्नाधिवास

सत हिरदाराम नगर। लालघाटी सावन नगर स्थित श्री प्राचीन हनुमान मंदिर में चल रहे श्रीराम दरबार, नर्मदेश्वर शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन देव आवाहन, स्थापित देव पूजन, ग्रहमण्डल पूजन, अन्नाधिवास, अग्नि स्थापना एवं हवनारंभ किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर हनुमान जी महाराज का सहस्त्रधाराओं से अभिषेक किया गया। मनोज वर्मा ने बताया कि 5 जून को पूजन अवाहित देवता, हवन, प्राण प्रतिष्ठा श्रृंगार एवं पूर्णाहुति के बाद शाम 6 से 9 बजे तक विशाल भण्डारा किया जाएगा। इस अवसर पर पंडित राजेंद्र दुबे, संतोष शर्मा, कार्यक्रम के मुख्य यजमान शांति एवं भगवती गुप्ता, आजाद, राजू पवन गुप्ता परिवार के अलावा सावन नगर हलालपुर एवं अन्य कॉलोनी से सैकड़ो की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

अभियान चलाकर समग्र ई केवाईसी का कार्य शत् प्रतिशत पूर्ण कराएंः संभागायुक्त

भोपाल। संभागायुक्त संजीव सिंह ने समग्र ई-केवाईसी कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अभियान चलाकर कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समग्र ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 31 मई से बढ़ाकर 30 जून कर दी गई है,अतः सभी नगर निगम जोनल अधिकारी निर्धारित समयसीमा में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन सुनिश्चित करें। संभागायुक्त संजीव सिंह ने आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में समग्र ई केवाईसी के कार्य की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण सिंह, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, जिला ई गवर्नेंस प्रबंधक विकास गुप्ता एवं नगर निगम के जोनल अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि समग्र पोर्टल पर दर्ज डुप्लीकेट समग्र आईडी का यथाशीघ्र सत्यापन कर उन्हें विलोपित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार आईडी के आधार पर सदस्य आईडी चिन्हित कर, जिनकी ई-केवाईसी अब तक नहीं हुई है, उनकी ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से कराई जाए।

रविंद्र भवन में आयोजित हुआ स्वरम कार्यक्रम

भोपाल। स्वरांजली म्यूज़िकल ग्रुप द्वारा आयोजित 'स्वरम' कार्यक्रम रविंद्र भवन, अंजनी सभागार में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में दक्षिण भारत के दिग्गज गायकों द्वारा हिंदी फ़िल्मों में गाये सुपरहिट गानों की प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित दर्शकों ने भरपूर सराहना मिली इस कार्यक्रम में पुणे के प्रसिद्ध गायक श्री अनुरुद्ध देवकर ने 'ये हँसी वादियां', इंदौर के गायक डॉ. अतुल भट्ट ने 'सुरमई आंखियों से', और शिवकुमार राव तथा राधिका मिश्रा ने 'हाय रामा' जैसे गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। इसके अलावा, नवनीत चेतवानी और तनु हारोड़े ने 'मनवा लागे रे', पूर्वी सुहास और अनुरुद्ध देवकर ने 'यह वक्त न खो जाए', और राजेंद्र मालवीय तथा पूर्वी सुहास ने 'आंखों की गुस्ताखियाँ' जैसे गीतों की प्रस्तुति दी।आयुषी स्वामी ने 'कहना ही क्या' और तनु हारोड़े ने 'अंगारों सा' जैसे गीतों से दर्शकों का दिल जीत लिया। इन सभी प्रस्तुतियों को दर्शकों ने बेहद सराहा और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस सांस्कृतिक संध्या ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और इस कार्यक्रम की सराहना की गई। जबलपुर के प्रसिद्ध उद्घोषक रंजित रॉय द्वारा मंच संचालन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरिओम जटिया, विशिष्ट अतिथि राजेश मिश्रा, संजय पटेल, प्रदीप शर्मा, उदय शंकर का संस्था द्वारा सम्मान एवम स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। मंच सज्जा एवम ध्वनि व्यवस्था अनिल नगरूरकर, अक्षत नगरूरकर द्वारा की गई। सहयोगी स्वर में मनी प्रधान, सनी खान, एंजल जैराल्ड एवं एंजेलो जैराल्ड ने सहयोग दिया।

स्वरांजली म्यूज़िकल ग्रुप ने आयोजित किया कार्यक्रम, हिंदी फ़िल्मों में गाये सुपरहिट गानों की प्रस्तुति दी

महापौर ने की वर्षा पूर्व नाला सफाई अभियान की समीक्षा

भोपाल। महापौर मालती राय ने वर्षा पूर्व नाला सफाई अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि शहर के सभी छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित करते हुए पानी के बहाव को व्यवस्थित रखे और शहर में कहीं भी जल ठहराव की स्थिति निर्मित न होने दें। महापौर मालती राय ने निर्देशित किया कि नाला-नालियों की सफाई उपरांत कचरा/मलमा तत्काल उठवाया जाए और नालों पर सूक्ष्मता से निगरानी भी रखी जाए। समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान, महापौर परिषद के सदस्य आर.के.सिंह बघेल, सहायक आयुक्त श्रीमती कीर्ति चौहान, प्रभारी कार्यपालन यंत्री प्रमोद मालवीय सहित प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे। महापौर मालती राय ने बुधवार को आई.एस.बी.टी स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में वर्षा पूर्व नाला सफाई अभियान की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय ने नाला-नालियों की साफ-सफाई की अद्यतन स्थिति एवं वर्षा के दौरान पानी की निकासी हेतु कार्य योजना एवं रणनीति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने निर्देशित किया कि शहर के सभी छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की बेहतर ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए और इसे निरंतर बनाए रखे।

दूध का दूध, पानी का पानी अभियान के तहत शुद्धता परीक्षण शिविरों का किया जाएगा आयोजन

सांची ब्राण्ड के दूध और दुग्ध उत्पादों की शुद्धता की जांच उपभोक्ताओं के सामने आधुनिक उपकरणों से युक्त चल प्रयोगशाला के माध्यम से करने एक अभिनव पहल

भोपाल। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) एमपी. स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकरी श्री प्रतीश जोशी के मार्गदर्शन व निर्देशन पर 07 जून 2025 से दूध का दूध और पानी का पानी अभियान के तहीत शुद्धता परीक्षण शिवकरों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सांची ब्राण्ड के दूध और दुग्ध उत्पादों की शुद्धता की जांच उपभोक्ताओं के सामने करने एक सराहनीय अभिनव पहल मानी जा रही है। आयोजित शिवरों में उपभोक्ताओं के द्वारा उपयोग किए जा रहे सांची दूध एवं दुग्ध उत्पादों की शुद्धता की जांच उपभोकाओं के सामन की जाएगी ताकि उपभोक्ता जान सकें कि सांची दूध और दुग्ध उत्पाद कितना शुद्ध और

गुणवत्तापूण है। अभियान के प्रथम चरण में शुद्धता परीक्षण शिविर का आयोजन पहले दिन शनिवार 07 जून 2025 को फॉर्चून सिग्नेचर सोसाइटी और इंडस गार्डन, रोहित नगर में तथा रविवार 08 जून 2025 को आकृति इकोसिटी रोहित नगर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह आगामी दिनों में साकेत नगर कटारा, सागर रायवेला, स्प्रिंग वैली, अमृत नगर, शिवाय कांपलेक्स गुलमोहर कॉलोनी, नीरज नगर, सर्वधर्म कॉलोनी, घरौंदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, लालघाटी, संजीव नगर, कोहेफिजा, पुलिस कंट्रोल रूम और गिरधर परिसर में भी यह अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान में इन कॉलोनियों के निवासी दूध एवं दुग्ध उत्पादों का परीक्षण अपने समक्ष करा सकते हैं। इस अभियान में उपभोक्ताओं द्वारा नियमित रूप से उपभोग किए जाने वाले सांची दूध और दुग्ध उत्पाद जैसे घी, पनीर एवं दही का परीक्षण विशेष रूप से तैयार एवं आधुनिक उपकरणों से युक्त चल प्रयोगशाला के माध्यम से उपभोक्ताओं के समक्ष किया जाएगा। इन जांचों में दूध में फैट, एसएनएफ, प्रोटीन, लैक्टोज, पानी, यूरिया, सुक्रोज, ग्लूकोस, नमक, वेजिटेबल स्टार्च, न्यूट्रलाइजर, ऑयल तथा अमोनियम सल्फेट की संदिग्धता की जांच की जाएगी। पनीर में स्टार्च तथा दही में स्टार्च, ग्लूकोज, सुक्रोज, यूरिया एवं माल्टीज की संदिग्धता का भी परीक्षण किया जाएगा। इसी तरह घी की प्रारंभिक गुणवत्ता की जानकारी भी तत्समय ही उपभोक्ताओं को दी जाएगी तथा संदिग्ध पाए जाने पर विस्तृत जानकारी 48 घंटे के अंदर व्हाट्सएप के माध्यम से संबंधित उपभोक्ता को दी जावेगी।

त्वरित टिप्पणी-सांध्यप्रकाश
जी. के. छिब्बर

आईपीएल चैंपियन का सम्मान समारोह कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजन का औचित्य क्या है ?

कर्नाटक सरकार द्वारा आईपीएल विजेता आरसीबी के चैंपियन बनने पर आनन फानन सम्मान समारोह आयोजित करने का ओचित्य क्या था समझ से परे है आरसीबी टीम कर्नाटक की नही है कर्नाटक का कोई खिलाड़ी नहीं है यह निजी टीम है यह कोई कर्नाटक की विजय नही है आरसीबी के कप्तान इंदौर के रजत पाटीदार है लेकिन सम्मान का आकर्षण विराट कोहली है जो दिल्ली के है ऐसा कोई कारण नहीं है की कर्नाटक सरकार के उपमुख्यमंत्री विजेता टीम की अगवानी के लिए एयर पोर्ट जाएं और दोपहर में लाठीचार्ज और भगदड़ में 11 क्रिकेट प्रशंसकों की मृत्यु हो जाने के बावजूद सम्मान समारोह चलता रहे और चिन्नास्वामी स्टेडियम में पुलिस बल की व्यवस्था नहीं लाखों की भीड़ का अनुमान नहीं एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं यह सब सवाल असफल शासन और कानून व्यवस्था का निम्नस्तर का उदाहरण है जो शर्मनाक है। राजनीति में क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा का प्रयोग कर सरकार की राजनैतिक दल की छबि बड़ाने के लिए कर्नाटक सरकार ने 11 लोगो की बलि ले ली और अनेक मौत से जूझ रहे है मुख्यमंत्री उप मुख्यमंत्री के ब्यान विरोधाभासी है कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नही है हादसे को सामान्य घटना बताया जा रहा है जो दुखद पहलू है। क्रिकेट प्रशंसकों को भी अब जागरूक होना चाहिए क्रिकेट की दीवानगी का अर्थ जान जोखिम में डालना नही है आईपीएल कोई राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा की स्पर्धा नही है जो देश ओर राज्य का गौरव बढ़ाती हो इसे केवल मनोरंजन की दृष्टि से देखा जाना चाहिए कर्नाटक सरकार ने सिर्फ अपनी छबि चमकाने के लिए यह आयोजन किया था आम जनता को समझना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रभात झा की जयंती पर किया पुण्य-स्मरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व राज्यसभा सांसद तथा मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. प्रभात झा की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय प्रभात झा आजीवन संगठन के लिए समर्पित रहे। उनके प्रखर राष्ट्रवादी विचार देश की युवा शक्ति के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेसा महासम्मेलन में बताया विकास का रोडमैप

उद्योगों का होगा विस्तार, गरीबों को मिलेंगे पक्के आवास

पांच रूपये में बिजली के कनेक्शन, भारत से टकराना आसान नहीं

उमरिया। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिवस जिले के पाली मे आयोजित पेसा महा सम्मेलन मे शिरकत की। इस दौरान उन्होने करोड़ों रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। अपने उद्बोधन मे सीएम ने बताया कि राज्य सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शाताब्दी समारोह मनाने का निर्णय लिया है।

मध्यप्रदेश मे विकास के रोडमैप की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि प्रदेश मे खेती को लाभ का धंधा बनाने हेतु वर्ष भर अभियान चलाया जायेगा। जिसके तहत कृषि, उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन तथा खाद्य प्रसंस्करण मे विस्तार के अलावा मूल्य संवर्धन का काम किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर गतिविधियां आयोजित होंगी। साथ ही 12 से 14 अक्टूबर तक भोपाल मे विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उन्होने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार जन जातीय समुदाय एवं गरीब वर्ग के लोगों के जीवन मे खुशहाली लाने के प्रति संकल्पित है। देश की स्वतंत्रता मे महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वीर योद्धाओं का बलिदान स्कूल एवं महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम मे शामिल किया गया है। इस अवसर पर उन्होने पचमढ़ी के राजा भभूत सिंह, रानी दुर्गावती सहित अन्य जन जातीय नायकों के योगदान को याद किया और कहा कि इन नायकों की स्मृति मे प्रदेश सरकार ने गढमंडला, सिंग्रामपुर तथा पचमढ़ी मे कैबिनेट का आयोजन कर जन जातीय संस्कृति को जन जन तक पहुंचाने का काम किया है।

पेसा ने बढ़ाये जनजातीय समाज के अधिकार

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश मे पेसा एक्ट के जरिये 89 जन जातीय विकासखंडों की 5300 ग्राम पंचायतों मे जन जातीय समाज के अधिकार और सहभागिता बढ़ी है। जल, जंगल, जमीन, जानवर, पहाड़, नदियों, तालाब,खनिज, धार्मिक स्थलों, वनोपज संग्रहण तथा विपणन का अधिकार स्थानीय ग्राम सभाओं जबकि खनिज उत्खनन, शराब की दुकान खोलने की अनुमति, आपसी झगड़ों के निराकरण ग्राम समितियां कर रहीं हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं कन्या पूजन के साथ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा एवं टंट्या भील की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

राष्ट्रपति और राज्यपाल भी आदिवासी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जन जातीय समाज की महिला श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति बनाया है। इसी तरह प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल भी जन जातीय समूह से जुड़े हुए हैं। प्रदेश सरकार भी जन जातीय समाज एवं गरीब परिवारों के उत्थान का कार्य लगातार कर रही है। सरकार ने संदीपनी व एकलव्य विद्यालयों के माध्यम से समाज के बच्चो को पढाई तथा रोजगार की व्यवस्था कर रही है। अपने संबोधन मे मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानो को पांच रूपये मे बिजली के कनेक्शन दिये जायेगे। साथ ही वर्ष 2028 तक 32 लाख किसानों को केवल 10 प्रतिशत की राशि जमा करने पर सोलर पंप उपलब्ध होंगे। इतना ही नहीं किसान खेती की सिंचाई तथा घरेलू उपयोग के बाद बची हुई बिजली को सरकार को बेच सकेंगे। उन्होने वर्ष 2028 तक सभी गरीब परिवारों को पक्के आवास, हर जिले को शव वाहन, गरीबों का जीवन बचाने एयर एंबुलेंस सेवा, सडक़ दुर्घटना के दौरान घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर राहगीर योजना के तहत 25 हजार रूपये का पुरस्कार, जिले के संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट सहित अन्य कल-कारखानो के विस्तार की बात भी कही।

भारत से टकराना आसान नहीं

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे आतंकवादी गतिविधियों का जवाब सेना ने बडी बहादुरी के साथ दिया है। अब भारत भी अमेरिका और इजरायल की तरह किसी भी देश मे घुसकर नापाक गतिविधियों को जवाब देने वाला देश बन गया है। जो भी भारत से टकरायेगा वह चूर चूर हो जाएगा। उन्होने उमरिया को प्राकृतिक सौंदर्य एवं वन्य जीवों की पहचान रखने वाला जिला बता या।

सांसद, विधायक ने भी किया संबोधित

अपने उद्बोधन मे शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि पेसा अधिनियम के लागू होने से आदिवासी समाज विकास की मुख्य धारा से जुड़ गया है। केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार समाज के उत्थान का कार्य कर रही हैं। बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि प्रदेश के 89 विकासखंडो को छठवीं अनुसूची मे रखने से पंचायते सशक्त हुई हैं। निर्णयों मे जन जातीय समुदाय की सहभागिता बढ़ी है। प्रदेश सरकार ने महिलाओं को स्व सहायता समूहो से जोडकर लखपति दीदी बनाने बीड़ा उठाया है। कार्यक्रम को पूर्व सांसद ज्ञान सिंह एवं आसुतोष अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

देह व्यापार मामले को लेकर कांग्रेस ने लगाए आरोप, सौंपा ज्ञापन

भोपाल। जबलपुर देह व्यापार मामले को लेकर कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने जबलपुर में एक ज्ञापन सौंपा। शहर कांग्रेस कमेटी जबलपुर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि भाजपा नेता की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता के गंभीर खुलासों से यह साफ हो गया है कि यह कांड सिर्फ जबलपुर तक सीमित नहीं, बल्कि प्रदेश से लेकर केंद्र की भाजपा सत्ता से जुड़े लोगों तक इसकी जड़ें फैली हैं। ज्ञापन मांग की गई है कि नामजद भाजपा नेताओं-अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी हो। SIT से न्यायिक निगरानी में जांच कराई जाए। पीड़िता को सुरक्षा, चिकित्सा और पुनर्वास मिले। दबाव बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। कांग्रेस पार्टी पीड़िता को न्याय दिलाने तक संघर्षरत रहेगी।

10 जून तक लिया जा सकेगा अशासकीय स्कूल में प्रवेश

भोपाल। प्रदेश में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में 29 मई को केन्द्रीयकृत ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को अशासकीय विद्यालय आवंटित किये गये हैं। आवेदकों को आवंटन संबंधी सूचना केन्द्र ने एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की है। आवेदक अशासकीय विद्यालयों के आवंटन की स्थिति, आरटीई पोर्टल पर उपलब्ध ऑप्शन से देख सकते हैं। पालकों से कहा गया है कि अशासकीय स्कूल का आवंटन होने की स्थिति में आवेदक आवेदन में दर्ज रजिस्टर्ड मोबाइल तथा बच्चे का फोटो आवश्यक दस्तावेज की एक प्रति छात्र को साथ लेकर अशासकीय स्कूल में जाये। निर्देश में कहा गया है कि पालक एडमिशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि वह अपने बच्चे को आवंटित स्कूल में ही प्रवेश कराना चाहते हैं, तभी प्रवेश की प्रक्रिया के लिये संबंधित स्कूल को ओटीपी प्रदान करें। संबंधित स्कूल द्वारा ओटीपी दर्ज करने के बाद ही स्कूल में निःशुल्क प्रवेश सुनिश्चित होगा। पालकों को सचेत किया गया है कि एक बार प्रवेश के बाद पालक को किसी अन्य अशासकीय शाला में शिक्षा का अधिनियम के तहत निःशुल्क प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।अशासकीय स्कूल में प्रवेश 10 जून, 2025 तक ही हो सकेगा। नियत तिथि के बाद आवंटन-पत्र स्वतः निरस्त हो जायेगा। पालकों को यह जानकारी भी दी गयी है कि एक बार प्रवेश लेने के बाद भविष्य में स्कूल परिवर्तन नहीं हो सकेगा। इस संबंध में अशासकीय स्कूलों को भी निर्देश जारी किये गये हैं। विकासखण्ड स्रोत समन्वयक को आवंटन एवं प्रवेश की रिपोर्ट की समीक्षा प्रतिदिन करने के लिये कहा गया है।

भोपाल। ईद-उल-अज़हा से पहले मप्र वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सांवर पटेल द्वारा ईदगाह का निरीक्षण किया गया।

एनसीसी का एनुअल ट्रेनिंग कैंप सेट जेवियर्स स्कूल भेल में शुरू

भोपाल। मप्र एयर स्क्वाड्रन एनसीसी का एनुअल ट्रेनिंग कैंप सेट जेवियर्स स्कूल भेल भोपाल में 4जून से आरम्भ हुआ। यह कैंप 10 दिनों तक चलेगा। इस कैंप में कैडेट्स को अभिन्न सैन्य कलाओं मैं प्रशिक्षित किया जाएगा जैसे के फायरिंग,ड्रिल,विमान संचालन, सिम्युलेटर आदी। साथ मैं ड्रोन का प्रशिक्षण भी इस कैंप में कैडेट्स को दिया जरहा है। ऑल इंडिया वायुसैनिक तथा थल सैनिक कैंप के लिए भी भोपाल ग्रुप के ठ्ठष्कैडेट्स का भी चयन इस कैंप में किया जाएगा। यह चयनित कैडेट्स अगले कैंपस में भोपाल ग्रुप को प्रतिष्ठित करेंगे। इस कैंप के कैंप कमांडर ग्रुप कैप्टन प्रियदर्शन अय्यर है। यह कैंप 13 जून तक चलेगा। इस कैंप में 700 कैडेट्स भाग ले रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में निर्माणाधीन कार्यों का लिया जायजा

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा में विकासखंड गंगेव में हिनौती गौधाम में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। हिनौती गौधाम में गायों के रहने के लिए दो नए शेड तैयार किया जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने इन दोनों शेडों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि हिनौती गौधाम में निर्माण कार्य चरणबद्ध ढंग से कराए जा रहे हैं। इन निर्माणाधीन शेडों के बन जाने से लगभग 500 अतिरिक्त गायों के रहने की व्यवस्था हो जाएगी। तीन निर्मित शेडों में लगभग 700 गायें रह रही हैं। गौधाम में गायों के लिए पानी, चारे और भूसे की पर्याप्त व्यवस्था है। गायों और उनके बछड़ों को पानी पीने के लिए हौज बनाए गए हैं। गायों के खुले में विचरण के लिए भी पर्याप्त स्थान है। गौधाम में विद्युत व्यवस्था बेहतर कराई गई है जिससे पर्याप्त विद्युत की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने निर्देश दिये कि हिनौती गौधाम के निर्माण का पूरा मास्टर प्लान स्थल में प्रदर्शित करें जिससे निर्माणाधीन कार्यों की पूरी जानकारी रहे। उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए बनाई जाने वाली सड़क का पूरा ले आउट तैयार करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौधाम में गायों की सेवा अच्छे तरीके से हो। इसके लिए यहां पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती करें। उन्होंने गायों की सेवा करने वाले कर्मचारियों को समक्ष बुलाकर उन्हें मिल रहे पारिश्रमिक आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में बनाए जा रहे गेस्ट हाउस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इंजीनियर को गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य निर्धारित ड्राइंग के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने गौशाला में नन्हीं बछिया को दुलार किया और गायों को गुड़ भी खिलाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक त्योंथर श्री श्यामलाल द्विवेदी, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा, राजेश पाण्डेय सहित सरपंच, अन्य जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण की रक्षा विकल्प नहीं, जीवन का आधार: शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी हैं और प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग और समर्पित रहने का आहवान किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्यावरण की शुद्धता न केवल हमारे भौतिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक शांति का भी आधार है। हमारी भारतीय परम्परा में प्रकृति को देवतुल्य माना गया है। वृक्षों में देवत्व की भावना, नदियों में मातृत्व की छवि और वायु-जल-अग्नि को पंचतत्व रूप में पूजने की संस्कृति ने हमें यह सिखाया है कि पर्यावरण की रक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि जीवन का आधार है।

नगरीय क्षेत्रों में एक करोड़ पौध-रोपण का लक्ष्य

भोपाल। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने 5 जून से प्रारंभ हो रहे विशेष पौध-रोपण अभियान की भोपाल में हुई बैठक में समीक्षा की। आयुक्त श्री भोंडवे ने बताया कि अमृत योजना के अंतर्गत ÷वूमन फॉर ट्री÷ अभियान के तहत प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में सघन पौध-रोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान में एक करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे सभी नगरीय निकायों के सहयोग से पूर्ण किया जाएगा। आयुक्त ने नगर वनों के निर्माण, जल संरचनाओं के किनारों पर 8 फीट ऊंचे पौधो के रोपण और थीम आधारित उद्यानों की स्थापना जैसे लक्ष्यों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण से सुरक्षित रखने के लिये वृक्षारोपण प्रभावी उपाय है। पौध-रोपण गतिविधियों की सतत निगरानी के लिए मुख्यालय स्तर पर ÷अमृत वृक्ष योजना मॉनिटरिंग सेल÷ का गठन किया जाएगा। भोपाल में इस अभियान से संबंधित एक राज्य स्तरीय वर्कशॉप का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक में आयुक्त श्री भोंडवे ने निर्देश दिये कि बिल्डिंग परमिशन के नियमों में पौध-रोपण को अनिवार्य किया जाए तथा निकायों में डीजल वाहनों की जगह ईवी वाहनों को प्राथमिकता दी जाए। अभियान के अंतर्गत ÷सक्सेसफुल प्लांट लोकेशन÷ की श्रेणी में श्रेष्ठ कार्य करने वाले निकायों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। आयुक्त ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि इस अभियान को जन-सहभागिता से एक व्यापक हरित आंदोलन के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में अपर आयुक्त श्री कैलाश वानखेडे सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर विशेष सघन पौध-रोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान कम्पनी के प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे के निर्देशन में सभी 13 इकाइयों के अंतर्गत संचालित किया जाएगा। इस संबंध में कम्पनी के प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह ने समस्त परियोजना प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की इकाइयों में स्थित जल शोधन संयंत्र परिसर, मल-जल शोधन संयंत्र परिसर, तथा ओवरहेड टैंक परिसरों में पौध-रोपण सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बाढ़ से बचाव उच्च स्तरीय बैठक 6 को

भोपाल। वर्षा पूर्व बाढ़ से बचाव के संबंध में राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक 6 जून 2025 को मुख्य सचिव प्रतिकक्ष में होगी। बैठक में आपदा प्रबंधन के लिए गृह विभाग नोडल विभाग है। बचाव व राहत कार्य की स्थिति में विभाग सेना से समन्वय स्थापित कर कार्य करता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव, गृह, जल संसाधन एवं नर्मदा घाटी विकास, वन, कृषि उत्पादन, आयुक्त, सहकारिता, ऊर्जा, लोक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, प्रमुख सचिव, वित्त, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य, पुशपालन, खनिज साधन, राजस्व एवं पुर्नवास, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सचिव, किसान कल्याण एवं कृषि, जनसंपर्क, भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त,ग्वालियर, परिवहन, प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य इलेक्ट्रानिक विकास निगम, पुलिस महानिदेशक, महानिदेशक, नगर सेवा एवं नागरिक सुरक्षा, सचिव, गृह एवं समन्वयक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरिण, कमाण्डेंट 11 बीएन एन.डी.आर.एफ. वाराणसी उत्तरप्रदेश, स्टेशन कमाण्डर, सेना मुख्यालय सब एरिया भोपाल, निदेशक, मौसम विज्ञान(आईएमडी) भोपाल, संचालक, केन्द्रीय जल आयोग भोपाल, स्टेशन डायरेक्ट, आकशवाणी भोपाल आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस पर एनसीसी के छात्रों द्वारा लोगों को पौधे वितरित कर पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर जागरुक किया।

संपादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क की दोस्ती में दरार

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राहें अब अलग हो गई हैं। इस बार मुद्दा भारी-भरकम खर्च को लेकर है। मस्क लागत में कटौती और दक्षता में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने सरकारी विभागों में कर्मचारियों की संख्या और खर्च में कटौती की वकालत की। दरअसल, ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालने से पहले ही मस्क को यह अहम जिम्मेदारी सौंप दी थी। तब ट्रंप और मस्क की गहरी मित्रता से लगा था कि अमेरिका नए रास्ते पर चल पड़ा है। मगर मार्ग में बाधाएं तब आनी शुरू हुईं, जब मस्क के कई फैसलों का अमेरिका में विरोध होने लगा।

वहीं ट्रंप की नीतियों से उनके कारोबारी हित भी टकराने लगे। उनके बीच दोस्ती में पहली दरार तब दिखी, जब ट्रंप ने कृत्रिम मेधा से जुड़ी पांच सौ अरब डालर की योजना कुछ निवेशकों के साथ पेश की। इसके बाद मतभेद बढ़ते चले गए। फिलहाल ताजा टकराव भारी-भरकम सरकारी खर्च पर है। इससे बजट घाटा बढ़ने का खतरा बताते हुए मस्क ने तीखे सवाल उठाए हैं।

मस्क हमेशा विवादों में रहे। उनका कई मंत्रियों से नीतिगत विवाद हआ। वहीं उनके आक्रामक कदम से ट्रंप प्रशासन में भी तनाव दिखा। सरकारी कर्मियों की छंटनी करने का खासा विरोध हुआ। इससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ा। मस्क की नीतियों से चिंतित ट्रंप को कहना पड़ा कि नौकरियों के मामले सरकार की चलेगी, न कि मस्क की। दरअसल, उनके फैसलों पर विवाद बढ़ने से ट्रंप प्रशासन की साख पर असर पड़ने लगा था। मतभेद यहीं तक सीमित नहीं था। आव्रजन नीति को बदलने या इसे खत्म करने के मुद्दे पर मस्क सहमत नहीं थे।

उनके दबाव में पहली बार इस मसले पर ट्रंप को झुकना पड़ा था। उन्हें कहना पड़ा कि एच वन बी वीजा उनको पसंद है। कुछ समय पहले शुल्क और व्यापार के मसले पर भी उनके बीच मतभेद गहरा गए थे। ट्रंप के ठेस पहुंचाने वाले बयानों से भी मस्क का मोहभंग हुआ। सवाल है कि क्या अब मस्क के विरोध और सरकारी जिम्मेदारी छोड़ कर अलग हो जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप मनमाने फैसले करने और बड़बोलेपन से बचने का प्रयास करेंगे !

विश्व पर्यावरण दिवस - शिक्षा के क्षेत्र में पर्यावरण का ज्ञान मानवीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है

स्वर्ण जयंती पार्क में योग साधकों द्वारा पर्यावरण दिवस मनाया गया

- योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर पर्यावरण के बारे में भी जागरूक किया जाता है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज सुबह 8 बजे स्वर्णजयंती पार्क में वृक्षारोपण किया गया प्रमुख रुप से वन रक्षक रामचरण कुशवाहा जी, संजय गुप्ता, सुनील सोलंकी, श्रद्धा गणपते, लता बंजारी, आशा गजभिये, किरण माथुर, उपमा गुप्ता, ज्योति गुप्ता, राहुल सिंह, मनोज शर्मा, के सी चाको, सुनील वर्मा, वरसिंघ, बच्चू भाई, मान कुंवर बाई, लीला बाई, रामा बाई, श्याम, मुस्ताक अंसारी उपस्थित रहें।

योग गुरु अग्रवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहा कि भारत में सुख, समृद्धि, शक्ति और स्वास्थ्य के साथ अच्छा पर्यावरण के लिए हर व्यक्ति को योगाभ्यास करना चाहिए। जैसा मन वैसा पर्यावरण, भारत के सर्वाधिक हरे भरे क्षेत्र आज सबसे ज्यादा अशांत नजर आते इससे सिद्ध होता है कि यदि हम बाहरी पर्यावरण का सुख लेना चाहते हैं तो सर्वप्रथम हमें अपने अंतर्मन के पर्यावरण को शुद्ध करना पड़ेगा। मन को स्वच्छ बनाने के साथ साथ पृथ्वी को हरा भरा बनायेंगे तभी सच्ची सुख शांति पायेंगे, इसके लिए योग विद्या भारत वर्ष की सबसे प्राचीन संस्कृति और जीवन - पद्धति है तथा इसी विद्या के बल पर भारत वासी प्राचीन काल में सुखी, समृद्ध और स्वस्थ जीवन बिताते थे। हमारे ऋषि, आचार्यों ने विभिन्न प्रकार के आसनों के नाम वर्षो पहले इस प्रकार से रखे ताकि हमारा जुड़ाव प्रकृति से बना रहें एवं पर्यावरण को बिना नुकसान करें, प्रकृति के गुणों को भी आत्मसात् कर सकें।

पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दों से मिल कर हुआ है। परि जो हमारे चारों ओर है÷आवरण÷ जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है,अर्थात पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ होता है चारों ओर से घेरे हुए। पर्यावरण उन सभी भौतिक, रासायनिक एवं जैविक कारकों की समष्टिगत एक इकाई है जो किसी जीवधारी अथवा पारितंत्रीय आबादी को प्रभावित करते हैं तथा उनके रूप, जीवन और जीविता को तय करते हैं। पर्यावरण वह है जो कि प्रत्येक जीव के साथ जुड़ा हुआ है हमारे चारों और वह हमेशा व्याप्त होता है।

लोग अपने आस पास के आवरण को नष्ट करने का हर संभव प्रयास में लगे हुए है पर्यावरण की सुरक्षा तो सिर्फ दिमाग मे ही है। नगरीकरण तथा औद्योगीकरण के कारण पर्यावरण का अधिक से अधिक दोहन हो रहा है और इसका सीधा परिणाम यही निकल कर आ रहा है कि पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है जिससे कहीं सूखा कही अतिवृष्टि जैसी समस्याएं उत्पन्न होती जा रही है। जो जमीन कल तक उपजाऊ थी आज देखा जाए तो उसमें अच्छी फसल नही होती और ऐसा प्रतीत होता है कि आने वाले समय मे यह बंजर हो जाएगी। हमे पर्यावरण के संतुलन के लिए सभी को मिलकर कदम बढ़ाना होगा नही तो यह वसुन्धरा कही जाने वाली हमारी पृथ्वी एक दिन बन्जर होकर रह जायेगी और इससे जीवन समाप्त हो जाएगा और यह फिर से वही आकाश पिण्ड का गोला बनकर रह जायेगी। 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस को वनमहोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। हर साल विश्व पर्यावरण दिवस को एक थीम के साथ मनाया जाता है। इस साल की थीम है- प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें थीम के साथ मनाया गया।

पर्यावरण और आध्यात्म एक ऐसा आवरण, जिसमें हमको आनंद और ÷ सर्वे सन्तु निरामया का÷ बोध हो। पर्यावरण वस्तुतः एक रक्षा कवच ही है । हमारी प्राचीनतम् संस्कृति में पर्यावरण को देवतुल्य स्थान दिया गया है। पर्यावरण के सभी अंग जल, वायु, भूमि को देवता ही माना गया है। हिन्दू दर्शन में मनुष्य में पंच तत्वों का समावेश माना गया है। मनुष्य पांच तत्वों जल, अग्नि, आकाश, पृथ्वी और वायु से मिलकर बना है। वैदिक काल से इन तत्वों को देवता मान कर इनकी रक्षा का करने का निर्देश दिया गया है । वेदों के छठे अंग ज्योतिष में नक्षत्र, राशि और ग्रहों को भी पर्यावरण के अंगों जल-भूमि-वायु आदि से जोड़ा गया है और तीन प्रकार के कष्टों आध्यात्मिक , आधिदैविक और आधिभौतिक कष्टों के निवारण के लिए पूजा-पद्धति को अपनाया गया है।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है-÷अश्वत्थः सर्व वृक्षा वृक्षाणां ÷ अर्थात् मैं वृक्षों में पीपल हूँ, पौराणिक ग्रंथों, ज्योतिष ग्रंथों व आयुर्वेदिक ग्रंथों के अनुसार ग्रहों व नक्षत्रों से संबंधित पौधों का रोपण व पूजन करने से मानव का कल्याण होता है। इसलिए प्रकृति पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना चाहिए।

पेड़-पौधे मौलश्री, कटहल, आम, नीम, चिचिड़ा, खैर, गूलर, बेल आदि पौधे विभिन्न प्रकार सकारात्मक ऊर्जा के साथ ही साथ अतिसार, रक्त विकार, पीलिया, त्वचा रोग आदि रोगों में लाभकारी औषधि के रूप में प्रयोग किए जाते हैं।

सत्य की खोज में आमतौर पर विज्ञान और आध्यात्म को एक दूसरे से भिन्न माना जाता है। दोनो का ही आधार स्तंभ है जिज्ञासा। आधुनिक विज्ञान वस्तुनिष्ठ विश्लेषण का तरीका अपनाता है, और आध्यात्म आत्मपरक विश्लेषण करता है। 'ये जगत क्या है ?' इन प्रश्नों के साथ विज्ञान बाहरी जगत को जानने में रत रहता है । प्रकृति को अलग करके आध्यात्म की कल्पना भी नहीं की जा सकती। ईहलोक और परलोक के बीच ईश्वर की प्रतीति प्रकृति ही है। जिसकी की हम उपेक्षा और दोहन कर रहे हैं। यही उदासीनता काल का ग्रास बन रही है। पंच तत्व ही पंच परमेश्वर है। देवियाँ पर्वतवासिनी हैं, वह अन्नपूर्णा हैं, उनके हाथ में अस्त्र-शस्त्र और शास्त्र हैं। भगवान शंकर की जटाओं से गंगा निकलती है और वह गले में सर्पहार पहनते हैं। शेषनाग भगवान विष्णु जी की छत्र-छाया करते हैं, वह क्षीरसागर में विश्राम करते हैं। समस्त नवग्रह भी समष्टि-सृष्टि के ही प्रतीक है यहीं आध्यात्मिक पर्यावरण है ।

प्राचीन समय के जगत में ज्ञान में कोई संघर्ष नहीं था। मनुष्य का स्वयं के बारे में ज्ञान और ब्रह्माण्ड के बारे में ज्ञान, एक दूसरे के पूरक थे, और ये ज्ञान मनुष्य का सृष्टि के साथ एक सुदृढ़ और स्वस्थ संबंध बनाने का आधार था। इन दो प्रकार के ज्ञान को अलग मानने की वजह से आज विश्व के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। ज्ञान के मुताबिक मनुष्य के अनुभव में 5 परतें आती हैं, जो कि हैं - पर्यावरण, शरीर, मन, अंतर्ज्ञान और आत्मा। सत्य की खोज में आमतौर पर विज्ञान और आध्यात्म को एक दूसरे से भिन्न माना जाता है। दोनो का ही आधार स्तंभ है जिज्ञासा। आधुनिक विज्ञान वस्तुनिष्ठ विश्लेषण का तरीका अपनाता है, और आध्यात्म आत्मपरक विश्लेषण करता है।

आज के जगत में ऐसे कई व्यक्ति हैं जो कि लालचवश, जल्द मुनाफ़ा और जल्द नतीजे प्राप्त करना चाहते हैं। उनके कृत्य जगत के पर्यावरण को नुक्सान पँहुचाते हैं। केवल बाहरी पर्यावरण ही नहीं, वे सूक्ष्म रूप से अपने भीतर और अपने आस पास के लोगों में नकरात्मक भावनाओं का प्रदूषण भी फैलाते हैं। ये नकरात्मक भावनायें फैलते फैलते जगत में हिंसा और दुख का कारण बनती हैं

अधिकतर युद्ध और संघर्ष इन्हीं भावनाओं से ही शुरु होते हैं। जिसके परिणाम में पर्यावरण को नुक्सान होता है, और उसे स्वस्थ करने में बहुत समय लगता है। हमें मनुष्य के मानसिकता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यह मानसिकता ही प्रदूषण की जड़ है - स्थूल तथा भावनात्मक। अगर हमारे भीतर करुणा और परवाह जग जाते हैं, तो वे आधार बनते हैं एक गहरे संबंध का जिस में कि हम पर्यावरण की और व्यक्तियों की देखभाल करते हैं।

.. प्राचीन समय में अगर एक व्यक्ति एक वृक्ष काटता था तो साथ ही 5 नये वृक्ष लगाता था। प्राचीन समय में लोग पवित्र नदियों में कपड़े नहीं धोते थे। केवल शरीर के अग्नि-संस्कार के बाद बची हुई राख को नदी में बहाते थे ताकि सब कुछ प्रकृति में वापिस लय हो जाये। हमें प्रकृति और पर्यावरण को सम्मान और सुरक्षा के भाव से देखने वाली प्राचीन प्रणालियों को पुनर्जीवित करना होगा।

ये कुछ आवश्यक बातें हैं

उप्युक्त भोजन – भोजन से हमारे मन पर असर पड़ता है। आधुनिक विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि भोजन से हमारी भावनाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। भावनात्मक रूप से परेशान बच्चे अधिक भोजन लेते हैं और मोटापे के शिकार हो जाते हैं। एक संतुलित आहार का हमारी भावनाओं पर सकारात्मक प्रभाव होता है और इसका असर हमारी चेतना पर होता है।

योग, ध्यान और प्राणायाम –योग, ध्यान और प्राणायाम। अपने शरीर और पर्यावरण को सम्मान की दृष्टि से देखने में ये बहुत सहायक हैं। ये अपने शरीर और पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त रखने में सहायक होता है और भावनात्मक असंतुलन से भी मुक्त करता है।

संगीत – इनसे शरीर और मन में तारतम्यता और समतुलना आती है। खासतौर पर उस संगीत से जो कि बहुत तेज़ और कोलाहलपूर्ण ना हो। शांतिदायक संगीत हमारे मन और शरीर में एक स्पंदन पैदा करता है जो कि समतुलना लाता है, जैसे कि शास्त्रीय और लोक संगीत।

प्रकृति – प्रकृति के साथ समय बिताना, मौन रहना, प्रार्थना करना ये बहुत सहायक हैं । यह जीवन में संतुष्टि के लिए अनिवार्य है।

मप्र सहित 4 राज्यों के 102 जिलों में बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन

(**अमिताभ पाण्डेय**)

दुनियाभर में बेहतर पर्यावरण के लिए जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती है ।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने - बचाने के लिए सरकार और समाज के स्तर पर तरह-तरह के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

भारत के 4 प्रमुख राज्यों के 102 जिलों में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अभी जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं , वह पर्याप्त नहीं है।

इन सभी जिलों में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अधिक प्रभावी योजनाओं को तत्काल लागू करने की जरूरत है। यह निष्कर्ष एक नए अध्ययन में सामने आए हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज में हाल में प्रकाशित इस अध्ययन का शीर्षक है, ÷असेसिंग क्लाइमेट चेंज रेजिलिएंस इन सेंट्रल इंडियन एग्रीकल्चरः ए रीजनल इंडिकेटर-बेस्ड अप्रोच एंड एग्रो-क्लाइमेटिक जोन मैपिंग.÷ इसमें चार राज्यों - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और दक्षिणी उत्तर प्रदेश के 102 जिलों की स्टडी की गई। यह अध्ययन पीएचडी रिसर्च स्कॉलर चैतन्य अशोक अढव ने डॉ. हरि नाथ सिंह, एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स विभाग, जीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, उत्तराखंड के मार्गदर्शन में किया है. इसमें पाया गया कि मध्य भारत के 27.39त्न जिले 'जलवायु परिवर्तन से निपटने में कम सक्षम' श्रेणी में आते हैं,

जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता क्या है?: जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता का मतलब है भारी बारिश, बढ़ता तापमान या सूखे की स्थिति का सामना करने और निपटने के लिए किए गए उपायों से है। नीतिगत हस्तक्षेप के कारण, जिन जिलों में अच्छी सड़क, कुशल सिंचाई प्रणाली, मौसम का अलर्ट और किसानों के लिए सहायता उपलब्ध होती है. इसका मतलब है कि ऐसे बहुत चुनौतीपूर्ण मौसमों के कारण कृषि उपज को नुकसान होने की आशंका कम होती है.

अध्ययन के प्रमुख लेखक चैतन्य अढव बताते हैं, ÷दूसरी ओर, जिस जिले के पास बहुत गर्मी (हीटवेव) या सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए कुशल योजना, संसाधन या सहायता नहीं होती है, वह कम सक्षम जिला कहलाता है. इनके बहुत अधिक प्रभावित होने की आशंका अधिक होती है क्योंकि ऐसे खतरों से जल्द और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए इनके पास अनुकूलन तंत्र (एडाप्टेशन मैकेनिज्म) नहीं होता है.÷

अध्ययन के निष्कर्ष: अध्ययन में 50 सब-इंडीकेटर्स का उपयोग किया गया, जिनमें वास्तविक और अपेक्षित वर्षा के बीच के अंतर, वन क्षेत्र, जनसंख्या घनत्व, साक्षरता दर, फसल बीमा, सिंचाई की उपलब्धता, सड़क संपर्क और बाजार बुनियादी ढाँचा शामिल हैं. इन सब-इंडीकेटर्स को जलवायु से जुड़े खतरों, कृषि उत्पादकता और जलवायु अनुकूलनशीलता (क्लाइमेट अडैप्टबिलटी) के तीन प्रमुख घटकों में वर्गीकृत किया गया. जबकि केवल 28.71त्न जिलों को अत्यधिक सक्षम माना गया, अधिकांश (43.91त्न) मध्यम रूप से सक्षम पाए गए. शेष 36 जिले, जो अध्ययन क्षेत्र के लगभग 30त्न इलाके में स्थित हैं, में जलवायु परिवर्तनों से निपटने के लिए संस्थागत और पारिस्थितिक (इकोलॉजिकल) दोनों तरह के प्रतिरोधक (बफर) की कमी मिली.

मध्य भारत के जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम जिले: अध्ययन में पहचाने गए कुछ सबसे कम सक्षम जिलों में मध्य प्रदेश के भोपाल, दमोह, गुना, मुरैना, पन्ना, सीधी, टीकमगढ़, रतलाम शामिल हैं, जिन सभी का स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, वन क्षेत्र और साक्षरता दर जैसे प्रमुख संकेतकों के आधार पर प्रदर्शन खराब रहा. श्योपुर (एमपी) और दुर्ग (छत्तीसगढ़) जैसे अन्य कम सक्षम क्षेत्रों में लगातार सूखा पड़ना, खराब सड़क संपर्क और आजीविका के सीमित साधन जैसे पर्यावरणीय और संस्थागत - दोनों प्रकार की चुनौतियां मौजूद हैं.इसके विपरीत, महाराष्ट्र में अहिल्या नगर को बेहतर वन क्षेत्र, सड़क बुनियादी ढांचे और कम जनसंख्या घनत्व के कारण अत्यधिक सक्षम जिले के रूप में वर्गीकृत किया गया। महाराष्ट्र के सांगली एवं कोल्हापुर और छत्तीसगढ़ के रायपुर जैसे जिलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिसका श्रेय शिक्षा, बाजार और सार्वजनिक सेवाओं तक अपेक्षाकृत बेहतर पहुंच को जाता है।

क्षेत्रीय आधार पर तैयार जलवायु योजनाओं की जरुरत- विशेषज्ञ: सह-लेखक और जलवायु अनुकूलन शोधकर्ता डॉ. हरि नाथ सिंह के अनुसार, यह अध्ययन ज्यादा विस्तृत और क्षेत्रीय आधार पर तैयार जलवायु योजनाओं की जरुरत को सामने लाता है। उन्होंने कहा, ÷क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए क्षेत्रीय आधार पर योजनाएं बनाने की जरूरत है क्योंकि क्लाइमेट चेंज से स्थानीय लोग ही सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, लेकिन नीतियां राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर बनाई जाती हैं।

अधव ने कहा, जलवायु परिवर्तन से निपटने में सक्षम होना सिर्फ़ तकनीक या बुनियादी ढांचे पर निर्भर नहीं होता है। यह सामाजिक पूंजी, शासन और अनिश्चित जलवायु घटनाओं का अनुमान लगाने, उनसे संबंधित योजना बनाने और उनका सामना करने की समुदायों की क्षमता पर भी निर्भर करता है।

भारतीय जनमानस परंपराएंऔर प्रकृति

डा.नीना छिब्बर

प्रकृति और मनुष्य के अटूट संबंध है । दोनो एक दूसरे के पूरक हैं।हम मनुष्यों के लिए धरती हमारे घर का आँगन है, आसमान छत ,सूरज ,चाँद ,तारे रोशनी के स्त्रोत, सागर नदियाँ, जल के स्त्रोत और पेड़ पौधे हमे भोजन देते हैंअर्थात प्रकृति परिवार के मुखिया या गुरू की तरह हमें सही मार्गदर्शन देती है।

प्रकृति की हर करवट, हर हरकत, कर ऋतु और हर आहट हमें कुछ सिखाती है। पतझड़ सिखाता है कि यह अंत नहीं पुनर्निर्माण का समय है। मौसम बदलते हैं और संदेश दे जाते हैं कि परिवर्तन ही जीवन है।

भारतीय परंपराएंऔर संस्कृति सबसे पुरानी और वैज्ञानिक भी है। हमारे त्यौहार, पर्व उत्सव ,खान - पान, वस्त्र और पूजा विधियाँ भी शास्त्र सम्मत हैं। भारत में पंचतत्वों को महत्व दिया जाता है। हम ने आदिकाल से प्रकृति को जाना ,माना और समझा। पेड़, पहाड़, जल नभ ,अग्नि ,वायु को हम देवतुल्य मानते हैं। हमारे पर्व या त्यौहार कितने वैज्ञानिक और मानव हितकारी हैं यह जानना जरूरी है । मुख्यतः दस त्यौहार इस की पुष्टि कर देंगे।

नवसंवत्सर.... चैत्र माह की प्रतिपदा सूर्य के गति बदलने से होती है। 21 मार्च ऐसा दिन है जब धरती सूर्य का एक चक्कर पूरा कर लेती है।प्राचीन काल में अरब,रोम और यूनान के लोग भी इस चैत्र माह को नववर्ष मानते थे ।

महाराष्ट्र में गुड़ीपड़वा, सिंध में चेटीचंड, आँध्र में युगादि,कशमीर में नौरोज के नाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्य, नीम की पतियाँ, जल की पूजा और पूरनपोली, ,श्रीखंड, का भोग लगता है। ध्वजा की पूजा होती है।

मकर संक्रांति...सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में जाने को ही संक्रांति काल कहते हैं। वैसे तो सूर्य की बारह संक्रातियाँ होती हैं पर चार ही महत्वपूर्ण हैं। यह हैं मेष,तुला, कर्क और मकर संक्रांति। सूर्य जब मकर राशि में जाकर उतरायण होता.है अर्थात धरती का उतरीय गोलार्द्ध सूर्य की ओर मुड़ता है। उसे उतरायण कहते हैं जो देवताओं का दिवस माना जाता है ।इस दिन खिचड़ी, तिल ,गुड़, रेवड़ी, गजक का दान और प्रसाद चढ़ाया जाता है। इसी प्रकार मेष संक्रांति में बैसाखी, तुला में गणेश चतुर्थी, कर्क में वर्षा, शरद ,हेमंत ऋतु का आरंभ होता है।

छठ पूजा... कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को: मनाया जाता है। यह सामूहिक रूप से मनाया जाता है। यह सूर्य आराधना से जुड़ा है। इसके पीछे भी वैज्ञानिक कारण है। छठ तिथि एक खगोलीय अवसर है। इस समय सूर्य की पराबैंगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित होती हैं। उसके कुप्रभाव को कम करने के लिए ,और यथासंभव रक्षा के लिए जल अर्पण किया जाता है ।

वसंत पंचमी...इस समय प्रकृति अपने यौवन पर होती है। फल, फूल, गेहूँ की बालियाँ, आम पर बौर, तितलियाँ आनंद और उल्लास का पूजन।जीवन और प्रकृति को भी आनंद की आवश्कता है।

गंगा दशहरा... यह स्वर्ग से गंगा का धरती पर अवतरण का दिन है। इस दिन गंगा -,स्नान,दान और उपवास का महत्व है।प्रत्येक गंगा मंदिर मे भगवान शिव का अभिषेक होता है ।

धुलंड़ी और होली... यह मौसम परिवर्तन का सूचक है।फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से होलिका दहन तक का समय होलाष्टक कहलाता है। शरद ऋतु की समाप्ति और वसंत ऋतु का आरंभ पर्यावरण और शरीर में बैक्टीरिया को बढ़ा देते हैं। होलिका दहन से तापमान करीब 145 फारेनहाइट बढ़ जाता है।जो दोनों को शुद्ध करता है। फिर होली उत्साह से शरीर की सुस्ती भगा देती है।

आँवला नवमी...कार्तिक मास की शुक्लपक्ष की नवमी को आँवला की पूजा महिलाएँ करती है। इस दिन द्वापरयुग आरंभ हुआ था।ऐसा माना जाता है कि आँवले के पेड़ में विष्णु का वास है ।वट सावित्री...वट या बरगद सकरात्मक उर्जा और शक्ति का संचार करता है।सावित्री ने अपने पति की यमराज से रक्षा की थी और सत्यवान इसी पेड़ के नीचे मृतप्राय पड़ा था। वटवृक्ष दीर्घायु और अमरत्व का प्रतीक है। तुलसी विवाह.. तुलसी का पौधा भारतीयता का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि देवता जब जागते हैं तो पहली प्रार्थना हरिवल्लभ तुलसी की ही सुनते हैं। तुलसी विवाह देव जागरण का प्रतीक भी है।

शीतलाष्टमी.. माता शीतला की पूजा देश के हर कोने में किसी ना किसी रूप में होती है। इस दिन बासा भोजन खाया जाता है। बालको के स्वास्थ्य के लिए विशेष पूजा होती है।यह सारे पर्व व त्यौहार जो हमारी आस्था ,संस्कृति, परंपरा और मानवीयता के आधार हैं हमें प्रकृति के और करीब लाते हैं। हमारे पूर्वजों ने हमें जो रीति रिवाज सिखाए वो पर्यावरण संरक्षण के साथ मानवता की सीख भी देते हैं।विश्व आज इस बात को मानता है कि भारतीय पौराणिक कथाएं व रीति रिवाज

मात्र कल्पना नहीं हैं ।: आज सभी तथ्यों को समझ कर मानव को नया दायित्व लेना है और नयी पीढ़ी को जागरूक बनाना है । इस अटूट रिश्ते को स्नेहपगा बनाना है।

कांग्रेस विगत 20 वर्षों में भी घोड़ों की पहचान क्यों नहीं कर पाई ?

रंजन श्रीवास्तव

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष तथा कांग्रेस के अघोषित सर्वोच्च नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर पार्टी के अंदर विभिन्न तरीकों के घोड़ों की उपस्थिति और उनकी पहचान का मुद्दा छेड़ दिया है। घोड़ों की पहचान जब होगी तब होगी पर इस वक्तव्य से राहुल गांधी ने कांग्रेस नेतृत्व को और स्वयं के नेतृत्व क्षमता को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है।

सबसे पहला सवाल यही उठता है कि अगर पार्टी में शादी के घोड़े या लंगड़े घोड़े भी हैं और अगर शादी के घोड़ों को रेस में या रेस के घोड़ों को शादी में भेजा जा रहा है तो इसका जिम्मेदार कौन है?

जहां तक कांग्रेस संगठन का सवाल है तो तय तो सब कुछ कांग्रेस हाई कमांड ही करता है। यहां तक कि विधायक दल का नेता चुनने के लिए भी कांग्रेस में एक लाइन का प्रस्ताव पास करके सभी कुछ कांग्रेस नेतृत्व पर छोड़ दिया जाता है। अगर पिछले 25 वर्षों का ही पार्टी का इतिहास देखें तो जब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे तो राधाकिशन मालवीय को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश नेतृत्व की जिम्मेदारी तो पार्टी के सर्वोच्च नेतृत्व ने ही दिया था।

वर्ष 2003 में हुए विधान सभा चुनाव में शर्मनाक पराजय के बाद 2008 चुनाव के लिए प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी दिग्विजय सिंह के राजनीतिक विरोधी सुरेश पचौरी के हाथों में पार्टी नेतृत्व ने ही सौंपा था।ग़लत टिकट वितरण के चलते पार्टी ने जीत के मुँह से हार छीनी।

इस चुनाव में टिकट वितरण के लिए जो पैमाना चुना गया उसके किस्से आज भी पार्टी कार्यालय के गलियारों में सुने जा सकते हैं पर इन टिकटों पर अंतिम निर्णय तो कांग्रेस हाई कमांड ने ही लिया था।यह हार ऐसी थी जिसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी स्थिति इतनी मजबूत कर ली कि 2013 में कांग्रेस पार्टी को 2008 चुनाव से भी कम सीटें मिलीं।वर्ष 2013 के चुनावों में पार्टी अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया थे जिन्हें दिग्विजय सिंह का आदमी समझा जाता है। यानी कि पार्टी ने दूसरी बार यू टर्न लिया। अगर 2008 में दिग्विजय सिंह के धुर विरोधी सुरेश पचौरी के हाथों में पार्टी की कमान सौंपी गई तो 2013 के लिए पार्टी ने कांतिलाल भूरिया को पार्टी की जिम्मेदारी देकर फिर यू टर्न लिया और एक तरह से दिग्विजय सिंह के नेतृत्व पर फिर से विश्वास किया।

वर्ष 2013 के विधान सभा चुनावों में हार के बाद पार्टी ने फिर यू टर्न लिया और पार्टी का नेतृत्व दिग्विजय सिंह के राजनीतिक विरोधी अरुण यादव को सौंप दिया। अरुण यादव 4 वर्षों तक पार्टी का नेतृत्व करते रहे पर 2018 में हुए विधान सभा चुनावों से मात्र 6 महीने पहले पार्टी ने अरुण यादव से जिम्मेदारी छीनकर कमल नाथ को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया पर चुनावों के लिए एक साथ दो नेताओं को आगे किया- कमल नाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया।

पूरे चुनाव में राहुल गांधी जहां जहां भी प्रचार के लिए गए सिर्फ इन्हींदो नेताओं का नाम लिया। जाहिर है कि राहुल गांधी की नज़र में ये दोनों रेस के बड़े घोड़े थे। पर यहां भी पार्टी नेतृत्व ने एक गलती की। या तो अरुण यादव को हटाना नहीं था या अगर कमल नाथ के नेतृत्व और उनके संसाधनों पर ही विश्वास था तो सिर्फ उनके हाथों में पूर्ण नेतृत्व सौंपना था और उन्हें कम से कम दो वर्ष पहले प्रदेश अध्यक्ष बनाना था जिससे वे पूरे प्रदेश का कई बार दौरा कर कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाते हुए संगठन की कमियों को अच्छी तरह से समझ सकें और उन कमियों को दूर कर सकें। सामूहिक नेतृत्व की जगह सिर्फ दो व्यक्तियों के नेतृत्व ने इन दोनों लोगों के मन में एक साथ मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा पैदा कर दी। रेस में दोनों दौड़े पर फ़िनिशिंग लाइन से पार्टी 2 कदम पीछे रह गई और पार्टी को रेस के अन्य और बाहरी खिलाड़ियों से समर्थन लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।चुनाव के दौरान पार्टी के अन्य नेता चाहे वे अजय सिंह हों, सुरेश पचौरी या दिग्विजय सिंह हों या कांतिलाल भूरिया या अन्य महत्वपूर्ण नेता हों सभी ने अपने आपको पीछे कर लिया। अरुण यादव तो वैसे ही दुखी होकर किनारे थे।विधायक दल के नेता चयन की बैठक में खुलकर मतभेद सामने आए और शक्ति प्रदर्शन हुआ। इसके चलते दोनों नेताओं के बीच जो दरार पैदा हुई वह कभी दूर नहीं हो पाई और उसका फ़ायदा अंततः भाजपा ने उठाया । अंततः कमल नाथ को मात्र 15 महीने के बाद इस्तीफ़ा देना पड़ा और कांग्रेस सरकार को गिराकर भाजपा ने पुनः अपनी सरकार बनाई।

यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि कमल नाथ का क़द तो प्रदेश में बड़ा था पर उन्होंने स्वयं को पूरे प्रदेश के नेता के रूप में हमेशा अपने को किनारे रखा था। उनकी राजनीति दिल्ली और छिंदवाड़ा के बीच थी। अतः उनके नेतृत्व में पार्टी का परफॉरमेंस 2018 के चुनावों में संभवतः ज्यादा अच्छा रहता अगर उन्हें चुनावों के पहले ज्यादा समय मिला होता पर यह भी सत्य है कि जिन संसाधनों के नाम पर उनको पार्टी का नेतृत्व सौंपा गया और उसकी जितनी चर्चा हुई उतने संसाधन चुनावों में दिखे ही नहीं। पार्टी प्रत्याशियों और यहां तक कि संगठन को भी पूरे चुनाव के दौरान संसाधनों की कमी से जूझना पड़ा।

सभी नेता एक प्लेटफार्म पर गाहे बगाहे ही दिखे।

वर्ष 2023 में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने फिर से सामूहिक नेतृत्व को तरजीह नहीं देते हुए कमल नाथ पर पूर्णतः विश्वास दिखाया और प्रदेश नेतृत्व के पद पर परिवर्तन तभी किया जब चुनावों में बुरी तरीके से हार हो गई। चुनाव के दौरान संसाधनों का अभाव एक बार फिर दिखा।

अतः यह स्पष्ट है कि पार्टी में रेस के घोड़े हों या शादी वाले या फिर लंगड़े या फिर शादी के घोड़ों को रेस में भेजने की बात हो, उनकी पहचान और उनका शादी या रेस के लिए चयन तो हमेशा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के हाथों में ही रहा है। वस्तुतः पिछले एक दशक से ज़्यादा तो सभी निर्णय राहुल गांधी ही लेते रहे हैं।वैसे यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने शादी या रेस के घोड़ों का जिक्र किया हो जो उन्होंने भोपाल में कहा। अंतर सिर्फ इतना है कि इस बार उन्होंने लंगड़े घोड़ों का भी जिक्र किया। सबसे पहले उन्होंने शादी और रेस वाले घोड़ों का जिक्र गुजरात में किया था। उसके बाद पार्टी की हार हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों में हो चुकी है। बिहार चुनाव सामने है जहां पार्टी अपने बूते सरकार बनाने का सपना भी नहीं देख सकती। इसलिए यह समय राहुल गांधी के लिए स्वयं और पार्टी हाई कमांड के लिए आत्मचिंतन का है कि समस्या मध्य प्रदेश में है या दिल्ली नेतृत्व में।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

पूर्व से स्वीकृत योजनाओं का कार्य समय पर पूर्ण करें-सीईओ जिला पंचायत

मंडला--सीईओ जिला पंचायत श्रेयांष कूमट ने बुधवार को जिला योजना भवन में पीएचई विभाग की समीक्षा की।बैठक में उन्होंने कहा कि पूर्व से स्वीकृत सभी योजनाओं का कार्य समय में पूर्ण करें। कम्पलिट योजना ही संबंधित निकाय को हेडओवर करें। बैठक में फरवरी 2024 तक स्वीकृत हो चुकी योजनाओं में से जिले की 338 योजनाओं के समय पूर्ण नहीं होने पर सीईओ जिला पंचायत ने नाराजगी व्यक्त की। बैठक में जनपदवार विविध कारणों से बंद योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित योजनाओं में आ रही समस्याओं चिन्हित किया गया। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि संबंधित समस्याओं के लिए एसडीएम तथा सीईओ जनपद पंचायत के साथ समन्वय करते हुए निराकरण कराएं। किसी भी स्थिति जल प्रदाय बाधित नहीं होना चाहिए। जल निगम, एमपीआरडीसी अथवा अन्य एंजेसी द्वारा पाईप लाईन डेमेज करने पर मरमस्त कराने के लिए आवष्वकता पत्राचार करें। उन्होंने वीसी के माध्यम से जुड़े सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि एक से अधिक कारणों से बंद योजनाओं के लिए अनुविभाग में पीएचई, मध्यप्रदेष पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी तथा संबंधित एंजेसी के अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए निराकरण सुनिष्चित कराएं। सीईओ जिला पंचायत श्री कूमट ने कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देशित किया निर्देशित करते हुए कहा कि विभाग द्वारा खनित असफल नलकूपों की अनिवार्यतः कैपिंग कराएं। कुछ चिन्हित असफल नलकूपों को रिचार्ज करने के लिए पिट बनाकर नवाचार करें। रिचार्ज सफल होने पर यह प्रयोग अन्य असफल नलकूपों में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 5 जून को विष्व पर्यावरण दिवस पर आप सभी सांकेतिक वृक्षारोपण आवष्यक कराएं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रदाय योजनाओं सतत चले यह विभाग की जिम्मेदारी है।

मोदी जी के 11 वर्ष संकल्प से सिद्वि कार्यक्रम हेतु बैठक 6 जून को

मण्डला। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि मोदी सरकार के 11 वर्ष संकल्प से सिद्वि तक एवं विश्व पर्यावरण दिवस,अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस,आपातकाल काला अध्याय कार्यक्रम हेतु दिनांक 06 जून 2025 को समय दोपहर 2 बजे दिन शुक्रवार भाजपा कार्यालय मण्डला में कार्यशाला का आयोजन किया गया हैं। कार्यशाला में वरिष्ठजनों का मागदर्शन प्राप्त होगा। कार्यशाला (बैठक) में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, मण्डल अध्यक्ष,महामंत्री, मोर्चो के जिलाध्यक्ष, प्रकोष्ठ के संयोजक, पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक, कार्यक्रम की जिला टोली एवं मण्डल टोली के संयोजक,सहसंयोजक कार्यशाला में उपस्थित रहेंगे। सभी अपेक्षित कार्यकताओं से आग्रह है कि समय पर उपस्थित होंवे।

श्री खेड़ापति माता मंदिर में भगवान को अर्पित किए फल- फूल

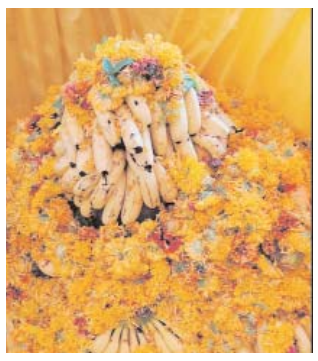

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। श्री खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया ओबैदुल्लागंज में शिवलिंग एवं नंदेश्वर जी की पुनः प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दूसरे दिन फलपुष्प, निष्ठानादिवास, अन्नाधीवास , शयनाधिवास, अग्नि स्थापन एवं हवन किया गया आज गुरुवार को प्राणप्रतिष्ठा ,शिव महाअभिषेक, हवन पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा कार्यक्रम में पधार कर पुण्य लाभ अर्जित करें एवं अपने जीवन को कृतार्थ करें इस अवसर पर पंडित मनोज शास्त्री ने कहा की धार्मिक आयोजन से सुख- समृद्धि का विकास होगा।

दिन-ब-दिन कट रहे जंगल खुलेआम माफिया कर रहा कटाई

बैरसिया। आज विश्व पर्यावरण दिवस है जिसको लेकर चारों तरफ हरियाली के प्रति लोग पेड़ लगाने का एवं प्रकृति को खुशहाल बनाने का संकल्प लेते हैं परंतु बैरसिया में इसके उलट वन माफिया हजारों की संख्या में पेड़ काटकर प्रकृति का दोहन कर रहा है बैरसिया के ग्रामीण क्षेत्रों में आने वाले समय में अगर आपको आम जामुन पीपल बढ़ जैसे पेड़ नहीं दिखाई दे तो आप चौकिएगा मत क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेड़ों की अंधाधुध कटाई लगातार जारी है शहर में चल रही आरा मशीनों पर इन पेड़ों को काटकर लाने का काम धड़ले से जारी है हरे भरे कटते जंगलों को वन विभाग बखूबी नजर अंदाज करने का काम कर रहा है लगातार कट रहे जंगलो से बिना परमिशन के सड़कों पर से जाती लकड़ी की भरी हुई ट्रालियों से यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जंगल माफिया कितना सक्रिय है जहां एक तरफ पूरे प्रदेश मैं पेड़ पौधे लगाने के लिए एवं प्रकृति को हरा भरा करने के लिए बड़े स्तर पर कार्यक्रम चलाए जाते हैं वहीं बैरसिया में शायद इसके उलट जंगल माफिया हजारों की संख्या में रोज पेड़ काटकर प्रकृति का विनाश कर रहे हैं ऐसे में वन विभाग के काम को लेकर शायद उंगली उठाना लाजिमी है जिस तरीके से रोज पेड़ काटे जा रहे हैं वह दिन दूर नहीं है जब दूर-दूर तक पेड़ नहीं दिखाई देंगे ऐसे में जंगल से पेड़ गायब ही हो जाए और आने वाले समय में किताबों में अतीत बनकर रह जाए बेरसिया में ना ही वन विभाग पेड़ों को काटने से रोकता है और ना ही कार्यवाही करता है वह दिन दूर नहीं जब बैरसिया में मीलो दूर तक पेड़ दिखाई न दे ऐसे में जंगल के जंगली जानवर भी शायद शहरों में अपना बसेरा बनाते हुए दिखे जिस तरीके से जंगल इंसानों के लिए जरूरी है उसी तरीके से जंगल जंगल के जानवरों के लिए भी जरूरी है।

बड़वानी में रहस्यमय जानवर का आतंक- 17 लोगों पर हमला, 6 की मौत!

बड़वानी-मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के लिम्बई और आसपास के गांवों में इन दिनों एक रहस्यमय जानवर का जबरदस्त खौफ है, जिसने गत दिनों करीब 3 घंटे के भीतर 17 लोगों को काट लिया था, जिसमें से 6 लोगों की मौत हो गई है. इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। लोग शाम 7 बजे के बाद घरों में बंद हो जाते हैं, और कुछ परिवार तो गांव तक छोड़ चुके हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, यह जानवर कुत्ते जैसा दिखता है, लेकिन उसकी पहचान पूरी तरह से नहीं हो पाई है। एक वायरल वीडियो में लकड़बग्घा (हाइना) नजर आया है, इसलिए शक उसी पर है, हालांकि प्रशासन अभी जांच में जुटा है। अधिकारियों को संदेह है कि जानवर रेबीज वायरस से संक्रमित था, लेकिन इसकी पुष्टि रिपोर्ट आने के बाद ही होगी. सभी पीड़ितों को रेबीज का इंजेक्शन दिया गया था, फिर भी 6 की मौत हो गई, जिससे लोग और डर गए हैं।

वन विभाग, स्वास्थ्य टीम, ड्रोन, कैमरे और पिंजरे सब लगा दिए गए हैं, लेकिन अब तक जानवर पकड़ में नहीं आया है. गांव वाले पूजा-पाठ और यज्ञ भी करवा रहे हैं ताकि संकट टल जाए। मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, और मामले की जांच दिल्ली तक भेजी गई है।

बताया गया है कि कोई एक माह पहले 5 मई की रात को इस रहस्यमय जानवर ने राजपुर अनुभाग के लिम्बई गांव में 17 लोगों को काटा , जिसमें 6 की मौत हो चुकी है, बाकी इलाज करवा रहे हैं।

अधिकारियों को शक है कि यह जानवर रेबीज से संक्रमित था, और शुरुआती जांच में लकड़बग्घा (हाइना) के पगमार्क मिले हैं, लेकिन अभी पक्की पुष्टि नहीं हुई है।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह पागल कुत्ता भी हो सकता है, क्योंकि रेबीज से मौत आमतौर पर कुत्तों के काटने से होती है। गांव वाले बहुत डरे हुए हैं, शाम होते ही घरों में बंद हो जाते हैं, और प्रशासन ड्रोन, कैमरा, पिंजरा आदि से खोजबीन कर रहा है। असल में, यह मामला अभी भी रहस्य बना हुआ है। जानवर कौन है, कहां से आया, कहां गया, और उसने इतने लोगों को कैसे काटा, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है।

क्या कहते है कलेक्टर, डीएफओ और डॉक्टर

÷हम सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं और विशेषज्ञों की टीम ने घटना स्थल का दौरा किया है. विसरा की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति का मूल्यांकन कर पाएंगे÷

-गुंचा सनोबर, कलेक्टर बड़वानी

अज्ञात जानवर ने करीब तीन घंटे के भीतर 17 लोगों को काटा था. इससे लगता है कि यह जानवर रेबीज वायरस से संक्रमित रहा होगा. हम लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक उसका पता नहीं चल सका है÷

-आशीष बंसोड़, डीएफओ बड़वानी

घटना के बाद सभी पीड़ितों को रेबीज रोधी इंजेक्शन लगाए गए थे, फिर भी छह लोगों की मौत हो गई। मौत के असली कारण की जांच के लिए सैंपल दिल्ली भेजे गए हैं÷

-डॉ. देवेंद्र रोमड़ेने, बीएमओ राजपुर

जिले के सभी क्षतिग्रस्त, जर्जर, भवनों, की पहचान, निरीक्षण एवं निमयानुसार ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए -कलेक्टर

दमोह- जिले में निकट समय में वर्षा ऋतु का आगमन अपेक्षित है। इस मौसम में अत्यधिक वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त, जर्जर, अथवा संभावित रूप से असुरक्षित भवनों, दीवारों एवं अन्य संरचनाओं के ध्वस्त होने की संभावनाएं प्रबल हो जाती है। समय रहते सावधानी नहीं बरते जाने पर ऐसे संरचनात्मक खतरों से गंभीर घटनाएं घट सकती हैं।

जन सुरक्षा, लोकहित एवं लोक स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आदेश जारी कर कहा है वर्षा ऋतु से पूर्व तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। जिले के सभी क्षतिग्रस्त, जर्जर, अथवा संभावित रूप से असुरक्षित भवनों, दीवारों एवं अन्य संरचनाओं की पहचान, निरीक्षण एवं निमयानुसार ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया, वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व सुनिश्चित के ली जाए।

उन्होंने निर्देशित किया है, जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त, जर्जर या असुरक्षित भवनों, इमारतों, दीवारों एवं अन्य संरचनाओं की पहचान की जाएगी। यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि इन संरचनाओं के गिरने से किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

यदि कोई भवन, इमारत, अन्य संरचना या दीवार क्षतिग्रस्त पाई जाती है, तो इसे नियम एवं प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सुरक्षा मानकों के तहत विधिपूर्वक ध्वस्त किया जाएगा। यह प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जाए और इसमें सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जिला दमोह द्वारा संपूर्ण कार्यवाही नियमानुसार सुनिश्चित की जायेगी। संबंधित अधिकारियों द्वारा यथा आवश्यकतानुसार लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों का सहयोग लिया जा सकेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की चूक न हो और जनसुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। संपूर्ण प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद एवं वर्षा ऋतु से पूर्व संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, जिला दमोह द्वारा एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए। प्रमाण पत्र में यह पुष्टि की जाए।

विधायक ने जनसुनवाई में आये नागरिको की समस्याओं को सुना,कई नागरिको ने की सौजन्य मुलाकात

आष्टा। प्रत्येक बुधवार को आष्टा विधायक अपने कार्यालय मे जनता की समस्याओं को सुनने,उनेह हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है ।कार्यालय में उपस्तिथ रह कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये । जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा एक सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को हल करना मेरा धर्म है। आज आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये । विधायक ने कार्यालय आये सभी नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा। विधायक कार्यालय से जानकारी देते हुए बताया की आज जनसुनवाई में ट्रांसफार्मर हटवाने,माध्यमिक शाला कन्नौद मिर्ज़ी का शाला भवन एवं शिक्षण स्टाफ के संबंध में पत्र,खुदे बोर में पत्थर डालने की शिकायत,खेत सड़क बनवाने,कोठरी में रास्ते पर मुरमीकरण कराने,पत्नी की मृत्यु उपरांत राहत राशि अभी तक प्राप्त नही होने,ग्राम काजीखेड़ी में कृषि भूमि पर कब्जा करने,सड़क निर्माण की मांग,ई रिक्शा दिलाने हेतु आवेदन पत्र,राजस्व विभाग के कर्मचारि की शिकायत,संबल योजना संबंधित आवेदन,विद्युत संबंधित आवेदन पत्र आदि प्राप्त हुए ।

यात्रियों की समस्याओं के हल के लिए रेलवे अफसर यात्रियों के साथ यात्रा करें, रेलवे बोर्ड का आदेश!

न्यू दिल्ली। यात्रियों को ट्रेन में यात्रा के दौरान किस तरह की समस्याओं का सामना ज्यादा करना पड़ता है। इन समस्याओं का जल्द निदान कैसे किया जाए, अब इसका पता लगाने के लिए रेलवे ने नया तरीका निकाला है। अब यात्रियों के बीच रेलवे के अफसर यात्रा करेंगे और यात्रियों से फीडबैक लेकर परेशानियों का हल निकालने के रास्ते खोजेंगे। रेलवे बोर्ड ने देश के सभी रेलवे जोनों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए।

इसका मकसद यात्रियों को होने वाली परेशानियों को जानना और उनका स्थाई निराकरण करना है। रेलवे अधिकारी अपनी पहचान बताए बिना ट्रेन के किसी भी कोच में सवार हो जाएंगे और इसके बाद यात्रा के दौरान होने वाली हर चीज पर नजर रखेंगे। ये एक तरह का छापेमारी अभियान जैसा है, जिससे रेलवे के उन लोगों की भी पहचान हो पाएगी, जो यात्रियों के साथ बदसलूकी करते हैं।

यात्रा के दौरान यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार उनकी सुनवाई तक नहीं होती और लोग रेलवे को कोसते रहते हैं। इसमें खराब क्वालिटी का खाना, रिजर्व सीट पर किसी और का बैठ जाना और वेंडर्स की बदसलूकी जैसी चीजें शामिल होती हैं। कई बार पंखे नहीं चलने और गंदी बेडशीट की शिकायतें भी रेलवे को मिलती रहती है। ऐसी शिकायतों को तत्काल हल किया जा सकता है, पर ये होता नहीं।

रेल में सवार अफसरों की ड्यूटी ये होगी- रेलवे बोर्ड के अनुसार हर जोन स्तर पर टीमें गठित कर रेलवे अफसरों को रेल के कोच में यात्रियों के साथ सफर करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें वो ट्रेनों की जांच-पड़ताल करेंगे। उनमें खामियों को ढूंढेंगे और तत्काल उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे। साथ ही यात्रियों से फीडबैक लेंगे, ताकि उसके आधार पर अन्य सुविधाएं भी विकसित की जा सकें।

बताया जा रहा है कि ये अफसर कोच में शौचालय, चार्जिंग पॉइंट, लाइट, एसी, पंखे और पानी की उपलब्धता और साफ-सफाई जैसी सुविधाओं की भी जांच करेंगे। लेकिन, ये सब अपनी पहचान छुपाकर ही किया जाएगा। यात्रा के बाद हर अफसर को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगी, जिसमें शिकायतों का ब्यौरा होगा। साथ ही इनके हल के सुझाव भी देना होंगे। यात्रियों का फीडबैक भी रिपोर्ट में देना होगा।

किसानों और वैज्ञानिकों को जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह एक अभिनव पहल है: सांसद लोधी

दमोह । विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हौरी बांदकपुर में उन्नत खेती और विकसित भारत के लिए किसानों से संवाद कार्यक्रम सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी के मुख्य आथित्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा किसानों और वैज्ञानिकों को जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की यह एक अभिनव पहल है, वैज्ञानिक सर्वे करके अपनी रिपोर्ट देंगे, उस रिपोर्ट के आधार पर किसानों के लिए आगे योजनाएं बनाई जाएंगे। उन्होंने कहा कल विश्व पर्यावरण दिवस है, पिछले वर्ष एक पेड़ मां के नाम अभियान को प्रारंभ किया गया था, कल से एक पेड़ मां के नाम अभियान का पुनः शुभारंभ होगा।

सांसद राहुल सिंह ने कहा विकसित भारत कैसे बनेगा इस बात की चिंता मोदी जी को थी जिसको देखते हुए लोकप्रिय नेता पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्रालय दिया गया। मोदी सरकार का कार्यकाल का 01 वर्ष पूर्ण होने वाला है, इस पूर्ण हो चुके वर्ष में चिंतन-मनन करके शिवराज जी ने मोदी जी के मार्गदर्शन में विकसित कृषि संकल्प अभियान बनाया है। किसान जब तक समृद्ध, उन्नत नहीं होगा तब तक विकसित भारत की कल्पना करना असंभव है। पूरे भारत देश में 16000 वैज्ञानिक है जिनके मार्गदर्शन में टीमें बनाई गई है, लगभग 700 जिलों में जिनको बांटा गया है, खंडवार तरीके से 29 मई से लेकर 12 जून तक सारे वैज्ञानिक आपके गांव जाएंगे और आपसे चर्चा करेंगे।इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती प्रीति कमल सिंह ठाकुर, श्रीमती नर्मदा सिंह एकता, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि धर्मेंद्र पटेल, जनपद सदस्य पप्पू ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष बृजेश सिंह लोधी, मंडल अध्यक्ष रमाकांत बाजपेयी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, हाकम सिंह लोधी, राजकुमार जैन,अखिलेश हजारी, सभी कृषि वैज्ञानिक व जिला कृषि विभाग अधिकारीयों, मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान भाइयों की उपस्थिति रही

ढोडरा मोहार रेत डंप पर 20 -25 लोगों नें उपद्रव किया पुलिस मे हुई शिकायत दर्ज

बैतूल। भौरा में बुधवार शाम कुछ लोगों नें एक राय होकर डोडरा मोहर के रेत डंप पर अचानक उपद्रव के करना शुरू कर दिया. घटना सीसी टीवी मे कैद हो गई जिसमे स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है की लोग किस नियत से डंप मे पहुंचे प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार और मोटरसायकल से सवार होकर लगभग 20- 25 लोग रेत के डंप स्थिति कार्यालय (रेत नाका) पहुचे उनके हावभाव देख कर लग रहा था की वें लोग बहुत गुस्से मे किसी को मारपीट करने की नियत से यहां आये थे. कुछ वाहनों मे भी तोड़फोड़ भी उनके द्वारा की गईं . इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत बैतूल जिले की रेत ठेकेदार कम्पनी परम् डिस्टीब्यूटर के एक वरिष्ठ कर्मचारी नें शाहपुर थाना पहुंच लिखित शिकायत दर्ज कराई है उन्होंने अपनी शिकायत मे बताया की हमारे ढोडरामीहार रेत डंप के आफिस में काम कर रहा था तभी करीब 4 फोर व्हीलर गाडी एवं 3-4 टू व्हीलर गाडी से करीब 20-25 आदमी हमारे ढोडरामोहार रेत डंप के आफिस के बाहर आए और मां बहन की गंदी गंदी गालियां देने लगे, मैंने आफिस की खिडकी से बाहर झांककर देखा तो शाहपुर निवासी अमित महतो मुझे मां बहन की गंदी गंदी गालियां देने लगा जो मुझे सुनने में बुरी लगी और अमित महतो ने मुझे मा की गाली देते हुए कहा कि तुम लोग बाहर से आकर हमारे यहां खदान चला रहे हो, हम यहां के लोकल आदमी हैं. तुमको यहां काम नहीं करने देंगे, इतना बोलकर अमित महतो ने उसके साथ लाए करीब 20-25 आदमियों को आफिस में तोड फोड करने और गाडियों में तोड फोड करने का आदेश दिया।

राष्ट्रहित के सवालों से भाग क्यों रही है भाजपा?

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री के बयान पर किया पलटवार

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के बयान पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार से कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं, जिनका संबंध देश की विदेश नीति, प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति से है।

श्री पटवारी ने कहा नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दे को उठाया है – उन्होंने वही पूछा है जो पूरे देशवासी जानना चाहते हैं। क्या वास्तव में डोनाल्ड ट्रंप के एक फ़ोन कॉल के बाद भारत ने सीजफायर पर सहमति जताई थी?÷

श्री पटवारी ने मुख्यमंत्री से यह सवाल किया-

1. क्या ट्रंप ने आधिकारिक सीजफायर घोषणा से पहले सोशल मीडिया पर उसकी सूचना सार्वजनिक नहीं की थी?

2. क्या ट्रंप ने कम से कम 11 बार सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा कि भारत ने मेरी मध्यस्थता से युद्धविराम को मंजूरी दी?

3. यदि ट्रंप के दावे झूठे थे, तो भारत सरकार ने इसका कोई आधिकारिक खंडन क्यों नहीं किया?

4. प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत या कूटनीतिक रूप से ट्रंप के झूठे बयानों को कभी चुनौती क्यों नहीं दी?

5. बीजेपी की सरकार क्या अब देश की विदेश नीति आईटी सेल के हवाले कर चुकी है?

मुख्यमंत्री से आग्रह- मुख्यमंत्री जी, आपसे आग्रह है कि इस पूरे मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, यह भारत की प्रतिष्ठा और स्वतंत्र नीति निर्धारण से जुड़ा हुआ प्रश्न है।÷

श्री पटवारी ने कहा जो बात जनता के हित में हो, वह कड़वी हो सकती है, लेकिन गलत नहीं होती। राहुल गांधी जी ने वह बात कही है जिसे सरकार लगातार टालती रही है। अब यह सवाल देश का है - क्या प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण किया?÷

कांग्रेस का यह स्पष्ट मत है- भारत की संप्रभुता, नीति और निर्णय किसी विदेशी दबाव से संचालित नहीं हो सकते। और यदि कोई विदेशी नेता झूठा प्रचार करता है, तो उस पर भारत को औपचारिक रूप से आपत्ति जतानी चाहिए – न कि सोशल मीडिया के माध्यम से छवि सुधारने का प्रयास करना चाहिए।

शिलांग से लाया गया राजा का शव, भाई और भतीजे ने अंतिम संस्कार किया

इंदौर। -ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी का शव लेकर उसके परिजन बुधवार शाम को केट रोड स्थित साकार नगर पहुंचे। यहां परिजनों को उसके पार्थिव शरीर के 10 मिनट दर्शन कराए, फिर रीजनल पार्क के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। राजा के शव को उसके भाई सचिन और भतीजे विधान ने मुखाग्नि दी। इसके पहले परिजन सुबह से शव आने का इंतजार कर रहे थे। शव को दोपहर 2 बजे तक आना था, जो डेढ़ घंटे विलंब से इंदौर एयरपोर्ट आया।

यहां से एंबुलेंस में शव घर तक लाया गया। शव पुराना होने से सड़ गया था। इसलिए उसे ताबूत में लाया गया। ताबूत का ही कुछ हिस्सा खोलकर मुख दर्शन कराया। सुबह जब मां उमा और पिता अशोक को जानकारी मिली तो वे बदहवास हो गए। जैसे-तैसे रिश्तेदारों और अन्य लोगों ने उन्हें संभाला। सुबह से ही घर के आसपास मातम पसर गया था। अभी भी पूरे इलाके में सन्नाटा है और सबकी जुबान पर एक ही बात है।

राजा ने बोला था आकर सबको पार्टी दूंगा: सैकड़ों लोग घर पर राजा के इंतजार में खड़े थे। घर पर इकट्ठा लोगों ने बातचीत में बताया कि राजा मिलनसार व्यक्ति था। वह हरसंभव लोगों की मदद करता था। जब पत्नी सोनम के साथ घूमने निकला था, तो कहकर गया था कि आकर दोबारा पार्टी दूंगा। मां ने रुंआसे होते हुए बताया कि

परिजनों को अंतिम दर्शन कराए!

जब काफी दिन तक उसका फोन और कोई संदेश नहीं आया तो आशंका थी। रोजाना मंदिर जाकर बेटे-बहू के कुशलक्षेम होने की कामना करती थी, मुझे क्या पता था कि बेटा इस तरह लौटकर आएगा। शिलांग पहुंचने पर उसने पांच-सात दिन में लौटने को कहा था।

पोस्टर लगे 'मैं मरा नहीं मारा गया': घर के बाहर और आसपास राजा को बड़े होर्डिंग्स लगे। इसमें लिखा था कि केन्द्र और राज्य सरकार से राजा करे यही पुकार, मैं मरा नहीं, मारा गया, इंसाफ दिलाया जाए। पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए। शवयात्रा के दौरान भी गमगीन लोग इसी तरह की बातें कर रहे थे।

हनीमून पर मेघालय के शिलांग गए इंदौर के राजा रघुवंशी का शव 11 दिन बाद सोमवार को गहरी खाई में मिला था। मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी अभी भी लापता है, जिसकी तलाश में एनडीआरएफ भी सर्च ऑपरेशन चला रही है। इससे पहले मंगलवार को पूर्वी खासी हिल्स के एसपी विवेक सिम ने बताया था कि राजा रघुवंशी की हत्या पेड़ काटने के हथियार से की गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी यही जानकारी सामने आई है।

जीपीएस ट्रैकर से पता चला, कुछ देर रुकी थी स्कूटी: पुलिस के मुताबिक राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी 23 मई को नोंग्रियाट गांव के होटल से निकलने के कुछ घंटे बाद ही लापता हो गए थे। यह गांव उस जगह से 20 किलोमीटर दूर है। जहां सोमवार को राजा का शव मिला था। इसी के पास मावक्मा गांव में जीपीएस ट्रैकर से पता चला कि दंपत्ति द्वारा इस्तेमाल की गई एक्टिवा स्कूटी 23 मई को कुछ देर के लिए यहां रुकी थी। लेकिन, वेइसा डोंग इलाके से जहां राजा का शव बरामद हुआ, वहां से 20 से 25 किलोमीटर दूर है, जहां कपल गायब हुआ, चेरापूंजी का वह इलाका पहाड़ियों वाला है। यहां गहरी खाई भी है।

'स्थानीय पुलिस और सरकार मामले को दबा रही': राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा से मांग की है कि सीबीआई इस पूरे मामले की जांच करें। स्थानीय पुलिस को नहीं लगता कि यहां ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। अगर पुलिस का कहना सही है तो स्कूटी शव से 25 किलोमीटर दूर क्यों मिली। शव खाई में क्यों मिला, वहां पांच फीट की दीवार है। ऐसे में आत्महत्या नहीं कर सकता। किसी से दुश्मनी नहीं। विपिन ने कहा, राजा और सोनम इंदौर से आए थे, इसलिए किसी से किसी तरह की दुश्मनी नहीं हो सकती। अगर कुछ हुआ भी है तो स्थानीय लोगों का हाथ हो सकता है।

राजा-सोनम की शादी उनकी मर्जी से हुई थी। शादी को लेकर दुखी होंगे, ऐसी कोई बात नहीं है। मेघालय सरकार तथ्यों को दबाना चाहती है उधर, सोहरा के डबल डेकर (लिविंग रूट) घूमने के लिए राजा ने गाइड को लिया था, वे नीचे गए और घूमकर ऊपर आए। वापसी के वक्त उन लोगों के साथ बातचीत हुई थी। राजा ने बताया था कि एक जगह कॉफी पी, लेकिन कॉफी अच्छी नहीं लगी तो फेंक दी थी। उनका खराब कॉफी को लेकर रेस्टोरेंट वाले से हल्का विवाद भी हुआ था।

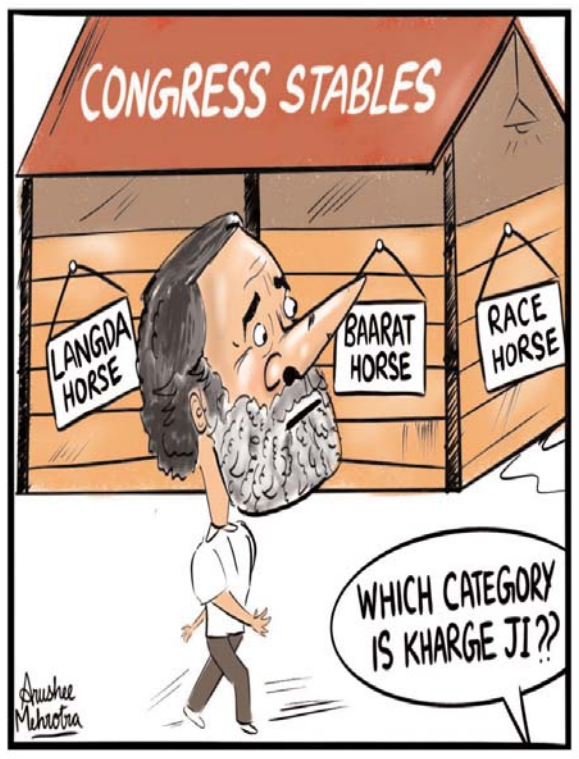

चंबल नदी पर बनेगा मप्र का पहला सिक्सलेन केबल-स्टे ब्रिज

ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे 3 राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। आगरा-ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे से तीन राज्य आपस में जुड़ रहे हैं। एक्सप्रेसवे पर एक केबल स्टे ब्रिज भी बनाया जाएगा। यह मध्यप्रदेश का पहला सिक्सलेन केबल-स्टे ब्रिज होगा। चंबल नदी पर बनने वाला यह ब्रिज प्रयागराज के नैनी ब्रिज जैसा होगा। हालांकि यहां सजावटी लाइटिंग नहीं होगी। यह पुल 600 मीटर लंबा होगा और 130 मीटर ऊंचे दो बड़े केबल पिलर पर टिकेगा। इसकी खूबी यह है कि यह एमपी और राजस्थान को जोड़ते हुए चंबल अभयारण्य क्षेत्र में स्थित रहेगा। पहले यहां सामान्य पुल प्रस्तावित था, लेकिन अब इसे केबल-स्टे ब्रिज के रूप में डिजाइन किया जा रहा है। इसका डिजाइन प्रयागराज के नैनी ब्रिज की तरह है लेकिन यह क्षेत्र राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में आता है, इसलिए यहां डेकोरेटिव लाइटिंग नहीं की जाएगी।

केंद्रीय मंत्रालय से निर्माण के लिए मिली हरी झंडी

एनएचएआई के मैनेजर (टेक्निकल) प्रशांत मीणा ने जानकारी दी कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और वाइल्ड लाइफ एडवाइजरी बोर्ड से तीन दिन पहले एनओसी मिल चुकी है। अब नवंबर 2025 में पुल और एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में 3 किमी तक जाएगा हाइवे सेक्शन

88.40 किमी लंबे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का 3 किलोमीटर हिस्सा अभयारण्य और इको सेंसेटिव ज़ोन में रहेगा। पहले 1 किमी क्षेत्र अभयारण्य के अंतर्गत आएगा, उसके बाद 2 किमी इको सेंसेटिव ज़ोन से गुजरेगा। राजस्थान में भी 1 किमी अभयारण्य और करीब 9 किमी संरक्षित सीमा में यह एक्सप्रेस-वे जाएगा, जिसके लिए एनओसी मिल चुकी है।

मुरैना क्षेत्र में भी हाईवे को मंजूरी, वन विभाग को भुगतान

मध्यप्रदेश के मुरैना के शनिश्चरा क्षेत्र में करीब 1.5 किलोमीटर हाईवे वन क्षेत्र से होकर गुजरेगा। इसके लिए राज्य सरकार से एनओसी मिलने के साथ-साथ 1.5 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है।

स्टे ब्रिज की विशेषताएं

स्ट्रेंथ: स्टे ब्रिज में उपयोग किए जाने वाले केबल्स पुल को स्ट्रॉन्ग बनाते हैं और इसे अधिक भार सहन करने में सक्षम बनाते हैं।

स्टेबिलिटी: स्टे ब्रिज की स्ट्रक्चर स्टेबल होती है और वे हवा और भूकंप जैसे नेचरल डिजास्टर के प्रति अधिक रेजिस्टेंट होते हैं।

इकोनॉमिकल: स्टे ब्रिज का निर्माण अन्य प्रकार के ब्रिज की तुलना में अधिक किफायती हो सकता है, खासकर जब लंबी दूरी के ब्रिज की बात आती है।

एस्थेटिक: स्टे ब्रिज का डिज़ाइन अट्रैक्टिव होता है और वे अक्सर शहरों के प्रमुख स्थलों में से एक बन जाते हैं।

अयोध्या में एलन मस्क के पिता और उनकी बहन ने किए रामलला के दर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन में शुमार एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर का दौरा किया और इस अनुभव को ''अद्भुत और अपने अब तक के ''सबसे बेहतरीन कामों में से एक बताया. एरोल ने पास के हनुमानगढ़ी मंदिर में भी पूजा-अर्चना की. वह अपनी बेटी एलेक्सजेंड्रा के साथ अयोध्या पहुंचे थे और उन्होंने यहां रामलला के दर्शन किए. उन्होंने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मैं इसे देखने आया और मंदिर के पूरा होने का इंतजार नहीं कर सकता, यह बड़ा मंदिर है, यह दुनिया के किसी अजूबे जैसा होगा. दोनों मंदिरों में दर्शन के बाद पत्रकारों से अलग-अलग बातचीत में उन्होंने कहा, ''भारत में मेरा अनुभव शानदार रहा है. मैं सर्वोटेक के साथ काम करना शुरू करने के लिए यहां (भारत में) आया हूं और देश में बहुत समय बिताने के लिए उत्सुक हूं. मंदिर अद्भुत हैं, और लोग भी अद्भुत हैं. एरोल अपनी बेटी एलेक्जेंड्रा मस्क के साथ अपराह्न करीब ढाई बजे अयोध्या हवाई अड्डे पर पहुंचे और शाम चार बजे के बाद वापस रवाना हो गये. राम मंदिर के दर्शन के दौरान उन्होंने कुर्ता-पायजामा पहना हुआ था. यात्रा के दौरान शहर में सुरक्षा कड़ी थी.

MP के 3 आईएएस अफसर जाएंगे मणिपुर और 3 ही वापस लौटेंगे

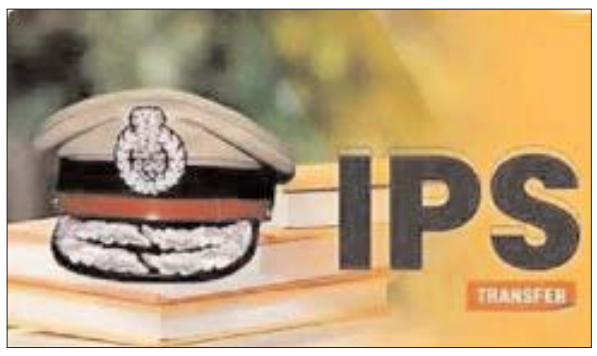

भोपाल। शासन ने कल मध्य प्रदेश कैडर के तीन IPS अफसर को मध्य प्रदेश से बाहर भेजने के आदेश जारी किए हैं। 2016 बैच के IPS अधिकारी पुलिस मुख्यालय में AIG सुनील तिवारी CBI मुख्यालय पदस्थ किए गए हैं। तिवारी के ज्वाइन करने के बाद 2016 बैच के ही अधिकारी CBI मुख्यालय में पदस्थ अमित तोलानी वहां से वापस मध्य प्रदेश लौटेंगे। 2010 बैच के IPS राकेश सगर और 2012 बैच के विकास पाठक को राज्य शासन ने मणिपुर के लिए रिलीव कर दिया है। सागर और पाठक के मणिपुर में पदस्थापना के बाद वहां पहले से पदस्थ आईपीएस अफसर संजीव कंचन और शिवदयाल की मध्य प्रदेश में वापसी होगी।

1994 बैच के IAS अधिकारी अंजुम परवेज़ बने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के ACS

बेंगलुरु। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1994 बैच के कर्नाटक कैडर के IAS अधिकारी अंजुम परवेज़ को कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने मुख्यमंत्री का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया। वर्तमान में, वे ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। वे ग्रामीण विकास और पंचायत राज , वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार भी संभालेंगे । परवेज़ का कार्यकाल काफी लंबा है, यानी फरवरी 2029 तक ।

भारत माता प्रतिमा अनावरण समारोह कल

सिवनी- जिला मुख्यालय स्थित प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी में भारत माता प्रतिमा का अनावरण 06 जून 2025 दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा वर्चुअल माध्यम से विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी कालेज प्राचार्य डॉ रविशंकर नाग एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अजय बाबा पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उदय प्रताप सिंह स्कूल शिक्षा मंत्री, बालाघाट सिवनी सांसद श्रीमती भारती पार्टी, मुख्य अतिथि के रूप में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, भाजपा अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर जिले के समस्त पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, जनप्रतिनिधियों सहित कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक एवं कालेज स्टाफ उपस्थित रहेगा।

यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्रों का एकेडमिक पूर्ण

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल की घटक संस्था यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के अंतिम वर्ष के छात्र छात्राएं आज बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का एकेडमिक पूर्ण करने के उपरांत यह कहें की आज उनकी कॉलेज लाइफ का स्वर्णिम दिन रहा जहां वह विश्वविद्यालय से बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त करेंगे एवं राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे द्य इस अवसर पर उनकी खुशी एवं जोश दुगना हो गया जब राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति स्वयं उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं को अपना आशीष दिया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की द्य किसी भी संस्था को गौरवान्ति होने का समय होता है जब वहां के छात्र-छात्राओं को कुलपति जी का आशीष प्राप्त हो इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे । सभी छात्र-छात्राओं को बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं हम आशा करते हैं की राष्ट्र निर्माण में आपका योगदान रहेगा आप अपने माता-पिता एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

भेपाल में पहली बार 108 ब्राह्मण के आशीर्वाद के साथ हुई वरमाला

भोपाल। शहर के होलसेल कपड़ा व्यापारी अर्पित गुप्ता और सोशल एंटरप्रेन्योर, डिज़ाइनर अंकिता चंद्रवंशी ने अपनी वरमाला सेरेमनी में विशेष रूप से 108 ब्राह्मण को आमंत्रित किया. भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देते हुए विवाह संपन्न हुआ 7 108 ब्राह्मणों में आचार्य श्री कृष्ण गोपाल पंडित जी नारियल खेड़ा, श्री दिलीप पंडितजी, श्री चेतन पंडितजी,श्री राहुल पंडित जी, श्री कपिल पंडितजी का विशेष सहयोग रहा, बॉलीवुड गानों को छोड़कर 108 ब्राह्मणों के मंत्रोचारण के साथ आशीर्वाद लेकर नव जीवन की शुरुआत कर वर वधू ने भारतीय संस्कृति का बहुत अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया । शादी में पधारे हुए सभी रिश्तेदारों और अतिथियों ने वर बधू को बधाई देते हुए इसकी सराहना की ।

सोने की कीमत 99,750 के करीब, चांदी की कीमतों में आया हल्का परिवर्तन

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप आज यानी गुरूवार 5 जून को सोना और चांदी खरीदने बाजार जा रहे? अगर ऐसा है तो इससे पहले आज के ताजा भाव देख लें। बता दें कि आज यानी गुरूवार 5 जून को सोना और चांदी की कीमतों में हल्का परिवर्तन दिखाई दिया है, अब नए भाव के कारण सोने की कीमत 99,750 के करीब, जबकि चांदी की कीमत 1,04,000 के करीब पहुंच चुकी है।

गुरूवार यानी 5 जून 2025 को सराफा बाजार की ओर से जारी किए गए सोने और चांदी के नए भाव के मुताबिक, 22 कैरेट सोने का रेट 91,450, जबकि 24 कैरेट सोने का भाव 99,750 और 18 ग्राम सोने का भाव 74830/- रुपए पर कारोबार करता हुआ नजर आया है। वहीं, 1 किलो चांदी का भाव 1,04,000 रुपए पहुंच चुका हैं। आइए इस खबर में हम जानते हैं, 18 कैरेट

सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 74830/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74,700/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74,750/- चल रहा है।चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 75,100/- रुपये पर ट्रेड कर रही है। 22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91,350/- रुपये ।जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91,450/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 91,300/- रुपये ट्रेंड कर रहा है। 24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,650/- रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,750/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 99,600/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 99,600/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है।

पर्यावरण के क्षरण का सबसे बड़ा जिम्मेदार प्लास्टिक प्रदूषण!

डॉ हरीसिंह गौर
केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति
प्रो नीलिमा गुप्ता का कॉलम!

वैश्विक स्तर पर 3.2 बिलियन लोगों के प्रभावित होने के साथ, पर्यावरण क्षरण दुनिया के 30त्न से अधिक भूमि क्षेत्र और विकासशील देशों में 40त्न भूमि को प्रभावित कर रहा है। माना जाता है कि भूमि क्षरण 1.5 बिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित करता है और मानवजनित गतिविधियों और जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल 15 बिलियन टन उपजाऊ मिट्टी नष्ट हो जाती है। पिछले 10 वर्षों में औसत तापमान 1.1 डिग्री बढ़ गया है. 2030 तक 1 डिग्री तापमान और बढ़ने की संभावना है। समुद्री स्तर 4.4 एमएम प्रति वर्ष बढ़ रहा है और समुद्र में कार्बन डाई ऑक्साइड 380-3 पीपीएम से 402.0 पीपीएम की वृद्धि हुई है। कार्बन डाई ऑक्साइड बढ़ने से समुद्रीय पानी में अम्ल बढ़ने से जलीय मूंगा चट्टान खतरे में आ गए हैं। पर्यावरण क्षरण एक गंभीर समस्या है जो पूरे विश्व में फैल रही है। इसके कारण विविध हैं और इसके प्रभाव भी व्यापक हैं। पर्यावरण के क्षरण द्वारा दिनोंदिन प्राकृतिक संसाधनों में गिरावट आ रही है। प्रदूषण, वनोन्मूलन, और जलवायु परिवर्तन इस क्षरण के उदाहरण हैं। पर्यावरण क्षरण एक गंभीर समस्या है जिसका सामना आज पूरी दुनिया कर रही है।

औद्योगिक प्रदूषण के कारण, पर्यावरण का तेजी से क्षरण हो रहा है। जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन और पेड़ों की कटाई बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे पर्यावरण का क्षरण भी बढ़ रहा है। यह जानना आवश्यक है कि इस क्षरण का जिम्मेदार कौन है और क्यों यह क्षरण लगातार बढ़ता जा रहा है? इस समय भारत की जनसंख्या विश्व भर में सबसे अधिक है। बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे उनमें कमी आ रही है। वनों की कटाई से जैव विविधता को खतरा है और मिट्टी का क्षरण हो रहा है। वायु, जल और मिट्टी के प्रदूषण से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। पर्यावरण क्षरण का एक कारण तथा जीवाश्म ईंधन के दोहन भी हैं। कृषि गतिविधियों से मिट्टी का क्षरण, लवणता और पोषक तत्वों की हानि बढ़ती जा रही है। पर्यावरणीय गिरावट से हवा, पानी और मिट्टी जैसे संसाधनों की गुणवत्ता में कमी, पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश, आवास का विनाश, वन्यजीवों का विलुप्त होना और प्रदूषण के माध्यम से पर्यावरण की निरंतर गिरावट आना सर्वविदित है। पर्यावरण में किसी भी परिवर्तन या गड़बड़ी को क्षरण के रूप में परिभाषित किया जाता है जो हानिकारक या अवांछनीय हैं। पर्यावरणीय गिरावट की प्रक्रिया पर्यावरणीय मुद्दों के प्रभाव को बढ़ाती है जो पर्यावरण पर स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

पर्यावरण क्षरण के प्रभाव से मिट्टी का क्षरण होता है, उपजाऊ भूमि की कमी होती है और जैव विविधता पर विपरीत प्रभाव से पारिस्थितिक तंत्र को खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन से मौसम के स्वरुप में बदलाव होता है और प्राकृतिक आपदाएं बढ़ जाती हैं। पिछले 10 वर्षों में औसत तापमान 1.1 डिग्री बढ़ गया है। 2030 तक 1 डिग्री तापमान और बढ़ने की सम्भावना है। समुद्री स्तर 4.4 एमएम प्रति वर्ष बढ़ रहा है और समुद्र में कार्बन डाई ऑक्साइड 380.3 पीपीएम से 402.0 पीपीएम हो गया है जिसकी वजह से जलीय अम्ल बढ़ा है तथा जलीय मूंगा चट्टान को खतरे की सीमा पार कर रहे हैं। आज तक का सबसे गर्म वर्ष 2024 रहा है और उम्मीद है कि आगे आने वाले समय में मौसम और अधिक गर्म, अम्लीय, समुद्री स्तर में वृद्धि, अधिक तीव्र आंधी, सूखा, प्रजातियों का हनन और अधिक स्वास्थ्य जोखिम भविष्य में दस्तक देंगे। इस विषम स्थिति में आखिर हमारी जिम्मेदारी क्या है? हमारा दैनिक जीवन कई तरह के प्रदूषण को बढ़ावा देता है, जैसे कि वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण। हम वनों की कटाई और वनस्पति विनाश में योगदान कर रहे हैं, जिससे जैव विविधता को खतरा है। हम प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग कर रहे हैं, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है। हम तमाम तरह की ऊर्जा की बर्बादी कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की लगातार कमी हो रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम ;प्लास्टिक प्रदूषण को हराना' है। जिसका उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। प्लास्टिक प्रदूषण को हम शिक्षा और जागरूकता, व्यक्तिगत प्रयास तथा स्थानीय सफाई अभियानों में भाग लेकर और दूसरों को भी प्रेरित करके सामूहिक गतिविधियों द्वारा कम कर सकते हैं।

आज वह समय आ गया है कि हम गंभीरता से सोचें कि हमें क्या करना चाहिए जो हम क्षीण होते हुए पर्यावरण को बचा सकें? हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनानी चाहिए। जैसे कि ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना और प्लास्टिक का उपयोग कम करना। 'एक राष्ट्र, एक मिशन प्लास्टिक प्रदूषण का अन्त' की भावना को व्यापक रूप देना होगा। हमें वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर वनों की सुरक्षा करनी चाहिए। प्रदूषण को नियंत्रण करने के उचित उपाय करने चाहिए, जैसे कि वाहनों का उपयोग कम करना और स्वच्छ ईंधन का उपयोग करना। हमें पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ानी चाहिए और आम जन मानस को भी जागरूक करना चाहिए। प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करने से पर्यावरण को बचाया जा सकता है तथा ऊर्जा का संरक्षण करके हम पर्यावरण क्षरण को कम कर सकते हैं। इस पर्यावरण दिवस पर, सब मिलकर प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए कार्य करें, हम पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाएं और एक स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए काम करें।

सेवानिवृत्त होने पर प्राचार्य को दी विदाई

छिंदवाड़ा। शासकीय उमावि कुकड़ा जगत में पदस्थ प्राचार्य श्रीमती नमिता ठाकुर के सेवावृत्ति होने पर विदाई दी गई। शाला में हुए कार्यक्रम में उपस्थित स्टॉफ ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

चौरई में चंद सेकेंड में चोर ने उड़ाए सवा लाख

चौरई। चौरई के सिवनी रोड में हीरो शोरूम में मोटरसाइकल खरीदने गए ग्राहक के सवा लाख रुपए चोरी का मामला सामने आया है, चोरी भी ऐसी की बाईक

खरीदने आए ग्राहकों की टू व्हीलर गाड़ी की डिक्की में रखे सवा लाख रुपए दिनदहाड़े उड़ा ले गए चोर। दरअसल चौरई थाना अंतर्गत आने वाले ग्रेटिया निवासी संग्राम रघुवंशी ने थाना चौरई में लिखित शिकायत करते हुए बताया कि स्विफ्ट कार से युवक लगातार रेकी कर रहा था। प्रार्थी संग्राम अपने परिचित के लिए नई बाइक खरीदने शोरूम के अंदर गया की उतने में उसकी गाड़ी में रखे सवा लाख रुपए दिनदहाड़े कार से उतरे चोर लेकर फुर्र हो गया, वारदात होने के पश्चात प्रार्थी द्वारा तत्काल चौरई थाना में शिकायत की गई जिसके बाद थाना प्रभारी के निर्देशन में चौरई पुलिस जांच में जुटी है एवं जल्द ही चोर को पकड़ने का आश्वासन भी दिया गया है।

समर कैंप से निखरती है प्रतिभाएं : आलोक खरे

छिंदवाड़ा। स्कूल शिक्षा विभाग,खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा, जिला बैडमिंटन संघ के मार्ग दर्शन में आयोजित किया जा रहे बैडमिंटन समर कैंप में शिक्षा

विभाग के राज्य व राष्टीय स्तर की एस,जी,एफ,आई प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व कर जिले को गौरवान्वित करने वाले बैडमिंटन खिलाड़ियों का सम्मान समारोह ओलंपिक हाल में आयोजित किया गया । इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन हेतु डी.पी.आई. भोपाल संयुक्त संचालक खेल आलोक खरे, डी ई ओ जी .एस .बघेल, ए डी पी सी गिरीश शर्मा ,खेल प्रमोटर इंद्रजीत सिंह बैस, जिला क्रीड़ा प्रभारी प्रताप इवनाती विशेष रूप से उपस्थित हुए ।अतिथियों ने प्रशिक्षणर्थी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला अफजाई की। श्री खरे ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास कर खेल में निखार लाने हेतु प्रेरित किया तथा प्रशिक्षको के योगदान व प्रयासों की सराहना की , उन्होंने विगत वर्षों में विभाग द्वारा छिंदवाड़ा में आयोजित की गई राज्य व राष्टीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता के सफल आयोजन व संचालन की प्रशंसा करते हुए आगे भी ऐसे आयोजन छिंदवाड़ा को सौपे जाने हेतु भरपूर प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य व राष्टीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले 15,उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उन्होंने मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव एवं कोच जावेद खान एवं आभार प्रदर्शन संयुक्त सचिव व वरिष्ट प्रशिक्षक राकेश चौरसिया द्वारा किया गया । कार्यक्रम में खेल क्षेत्र से जुड़े रविंद्र नाग, महेश डोंगरे आनंद गिरिपुंजे, विजय पाटिल जगदीश देशमुख सहित स्कूल शिक्षा विभाग के खेल शिक्षक विशेष रूप से उपस्थित थे।जिला बैडमिंटन संघ की ओर से मध्य प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु संयुक्त संचालक खेल डी पी आई भोपाल आलोक खरे एवं जिला शिक्षा अधिकारी जी एस बघेल को शाल श्रीफल से सम्मानित करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

वैश्य महासम्मेलन द्वारा भगवान महेश की शोभा यात्रा का स्वागत किया गया

छिंदवाड़ा । वैश्य महासम्मेलन की जिला इकाई छिंदवाड़ा द्वारा स्थानीय गणेश चौक पर भगवान महेश की विशाल वाहन शोभा यात्रा का स्वागत किया गया । यह शोभा यात्रा वैश्य महासम्मेलन के प्रमुख घटक माहेश्वरी

समाज द्वारा महेश नवमी पर्व पर छिंदवाड़ा नगर में भ्रमणार्थ निकाली गई थी जिसके गणेश चौक पहुंचने पर वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष जे पी नेमा, संभागीय अध्यक्ष नीरज भारद्वाज, जिला अध्यक्ष अनिल सिंघई द्वारा भगवान महेश का पूजन अर्चन किया गया । युवा पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा शोभा यात्रा में शामिल माहेश्वरी समाज के बंधुओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया । इस अवसर पर सर्वश्री जे पी नेमा, रमेश जाखोटिया, नीरज भारद्वाज, अनिल सिंघई, विकास वात्सल्य, शैलेंद्र जैन एम आर, चेतन बज चानी, अजय पिंटू चौरसिया, अंकित साहू, जितेंद्र जैन, शुभम साहू, पंकज साहू, प्रवीण जैन पांडे, अजय जैन, सुनील जैन दिगंबर, सुधीर जैन,आदित्य नाहर, कुंज राठी,आकाश गुप्ता, राजेंद्र बाकलीवाल, बृजेश कालपीवार, संदीप जैन प्रशिक्षण अधिकारी, निलेश जैन आनंदम, ने रोहित राठी अरविंद श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे ।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना

छिन्दवाड़ा। म.प्र.राहत आयुक्त/राजस्व विभाग भोपाल द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा के कक्ष क्रमांक-59 में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जिसका दूरभाष क्रमांक-07162-243423 है।

दुकानदारों द्वारा बढ़ाये गए टीन शेड पर चली जेसीबी

ईएलसी चौक से जेल तिराहे तक हटाया गया अतिक्रमण

छिंदवाड़ा। शहर को अतिक्रमण मुक्त किये जाने नगर निगम और जिलाप्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई के तहत बुधवार बड़ी संख्या में दुकानो द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटाया गया। ईएलसी चौक से जेल तिराहे तक दुकानदारों पर कार्रवाई की गई इस दौरान दुकानदारों द्वारा दुकान के सामने लगाए गए टीन शेड एवं अन्य निर्माण कार्य को जेसीबी मशीन से हटाया गया। यह कार्रवाई कल भी जारी रहेगी अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान प्रशासन और पुलिस बल बड़ी संख्या में उपस्थित था। अतिक्रमण हटाने के दौरान कुछ विरोध का सामना अतिक्रमण दल को करना पड़ा लेकिन किसी की नहीं सुनी गई। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बुधवार को सख्त कार्रवाई की शुरुआत कर दी है। यह अभियान ईएलसी इलाके से प्रारंभ किया गया और शाम 4 बजे तक जारी रहेगा। नगर निगम, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम इस कार्रवाई में जुटी हुई है। 250 कर्मचारियों की टीम और भारी पुलिस बल के साथ अभियान के दौरान चार ट्रैक्टर, तीन जेसीबी मशीन और तीन थानों का पुलिस बल मौके पर मौजूद था। कुल 250 कर्मचारियों की टीम ने मिलकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया। पहले से चेतावनी देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के खिलाफ अब प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। जिला अस्पताल के सामने कार्रवाई के बाद वहां का नजारा बदला नजर आ रहा है अब सड़क चौड़ी नजर आ रही है नगर निगम प्रशासन दोबारा अतिक्रमण होने से कब तक रोक पता है ये तो आने वाले समय की बात है।

प्रशासन की ओर से संकेत दिए गए हैं कि यह अभियान शहर के अन्य अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्रों में भी आगे जारी रहेगा। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए यह कदम उठाना जरूरी हो गया था।

सभी को साथ लेकर चलना मंडल अध्यक्ष को पड़ा भारी

भाजपा विधानसभा प्रभारी के भाई ने मंडल अध्यक्ष को दी धमकी

छिंदवाड़ा। चौरई विधानसभा में भाजपा के प्रत्याशी रहे लखन वर्मा के भाई संजय वर्मा और कुंडा मंडल के अध्यक्ष धरमसिंह वर्मा के बीच बातचीत का वायरल हुआ आडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। विधानसभा प्रभारी के भाई मंडल अध्यक्ष के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। और कहना नहीं मानने पर परिणाम भुगतने तक की बात कर रहे हैं। चौरई क्षेत्र में चर्चा में बना यह आडियो लोग खूब सुन रहे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि चौरई विधानसभा में सभी मंडल अध्यक्ष लखन वर्मा समर्थक हैं। 6 मंडल अध्यक्ष उनके अनुसार चल रहे हैं लेकिन कुंडा मंडल के अध्यक्ष धरमसिंह वर्मा गुटबाजी छोड़ सभी को एक साथ लेकर चलने लगे जो विधानसभा प्रत्याशी लखन वर्मा के भाई संजय वर्मा को यह खलने लगा और उन्होने फोन पर मंडल अध्यक्ष से गाली गलौंच की और यह कहते सुने जा सकते हैं कि ज्यादा बड़ा नेता बन चुका है जहां मिलेगा वहीं सबक सिखाएंगे। इसके अलावा उन्होने यह भी कहा कि चौरई में शेष 6 मंडल अध्यक्ष उनके हिसाब से चलते हैं एक मंडल अध्यक्ष के अपने हिसाब से चलने से कुछ नहीं होगा वैसे भी जब हमारे मंडल अध्यक्ष नहीं थे तो हमने टिकट ले आया। बताया जाता है कि कुंडा मंडल अध्यक्ष ने इसको लेकर संगठन में अपनी बात रखी है।

सागौन की कटाई में झूठा फंसाया जा रहा: धरमसिंह वर्मा

कलकोटी ग्राम में डूब क्षेत्र में सागौन के पेड़ की अवैध कटाई को लेकर कुंडा मंडल अध्यक्ष धरमसिंह वर्मा का नाम आने पर उन्होने सफाई दी है उनका कहना है कि उन्हें झूठा फंसाया जा रहा है। जबकि राजस्व विभाग द्वारा की गई जांच में उनका कहीं नाम नहीं है।

गांधी गंज में भगवान की शोभा यात्रा निकाली गई

छिंदवाड़ा। गांधी गंज व्यापारी मंडल पंचेश्वर हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के चौथे दिन शोभायात्रा एवं हवन किया गया। गांधी गंज व्यापरियां ने भगवन श्रीराम सीताजी एवं लक्ष्मण जी, शंकर जी का परिवार का जगह-जगह स्वागत किया गया, जुलूस में गांधी गंज व्यापारी मण्डल के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल समिति के सदस्य एवं व्यारियों ने उत्साह पूर्वक स्वागत किया, जजमान दीपेश अग्रवाल एवं नवनीत राठी पत्नि सहित शोभायात्रा में शामिल हुये। आज 5 जून को देवताओं की स्थापना पूर्ण आहूति एवं भंडारा होगा। 6 जून को एकल अभियान द्वारा सुन्दरकाण्ड एवं 7 जून से 11 जून तक वनवासी कथाकार सुश्री संगीता किशोरी द्वारा रामकथा की जावेगी।

पर्यावरण दिवस पर हुई चित्रकला प्रतियोगिता

छिंदवाड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए विविध अनुष्ठान करेगा।पर्यावरण दिवस की खुशी में अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित वीतराग भवन में मुमुक्षु मंडल, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं वीतराग विज्ञान पाठशाला के तत्वावधान में चल रहे जैनत्व संस्कार शिक्षण शिविर में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय छिंदवाड़ा द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे 125 शिविरार्थियों ने हिस्सा लेकर पर्यावरण संरक्षण पर सुंदर चित्र बनाए और सभी का मन जीत लिया।प्रतियोगिता में फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन, पाठशाला संचालिका वर्षा पाटनी, आर्या जैन, इशिता जैन, संस्कृति जैन सहित प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सफल आयोजन के पश्चात सभी ने जीव रक्षा, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया ओर इस वर्षा काल में एक पौधा मां के नाम लगाने की शपथ ली।आज निकलेगी अहिंसा रैली ।

भाजपा नेताओं ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात की

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश नगरीय आवास और विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता धर्मेंद्र मिगलानी ने मुलाक़ात की साथ में भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, शंटी बेदी, अजय सक्सेना, दिवाकर सदारंग, विजय पांडे एवं छिंदवाड़ा के वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर 06 को

छिन्दवाड़ा। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड छिंदवाड़ा के कार्यालय अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जिले में वृत्त/जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम द्वारा शिविर का आयोजन 06 जून 2025 शुक्रवार को प्रातः 11ः00 बजे से दोपहर 02ः00 बजे तक प्रशासनिक भवन खजरी रोड छिन्दवाड़ा में किया गया है, जिसमें उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। फोरम शिविर में विद्युत अधिनियम की धारा 126, 135, 138 एवं 161 के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों पर सुनवाई नहीं की जायेगी ।

अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों की कलेक्टर एवं एसपी ने की समीक्षा

सिवनी- कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार मेहता द्वारा जिले में अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होने आपात परिस्थितियों में जान-माल की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिला स्तर एवं खंड स्तर में बाढ़ कंट्रोल रूम बनाने तथा जानकारियों के त्वरित आदान-प्रदान के लिए आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर सुश्री जैन ने सम्बन्धित एसडीएम से पूर्व अनुभव के आधार पर चिन्हांकित किये गये बाढ़ संभावित क्षेत्रों की जानकारी लेने के साथ ही आपात स्थिति में प्रभावित लोगों को रखने के लिये स्थान सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की कार्य योजना के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री जैन ने कहा कि राहत एवं बचाव के लिए सुनियोजित कार्य योजना तैयार करें तथा संबंधित क्षेत्र के निवासियों को भी अवगत करायें। ऐसे क्षेत्र के ग्रामीण जनों को संभावित खतरों के विषय में जागरूक करें तथा उन्हें ऐसी परिस्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में भी अवगत करायें। कलेक्टर ने राहत एवं बचाव कार्य के लिए स्थानीय स्तर पर दलों को बनाने के निर्देश दिए हैं जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के कुशल तैराकों एवं इच्छुक वालेंटियर्स को शामिल करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर एवं एसपी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के छोटे-बड़े बांध और जलाशय विशेषकर भीमगढ़ बांध की स्थितियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को बांधों के भरने की स्थिति में गेट खोलने के पूर्व ग्रामवासियों को सूचना देने का तंत्र विकसित करने तथा उनके लिए सुरक्षित स्थानों की पहचान करें। इसके साथ ही उन्होने सभी नहरों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर सुश्री जैन ने अतिवृष्टि के दौरान जलमग्न होने वाली पुल, पुलियों एवं रपटों की पहचान कर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने संबंधित निर्माण एजेन्सियों को ऐसे स्थानों पर चेतावनी चिन्ह लगाने के निर्देश दिए हैं तथा जलमग्न होने की स्थिति में बेरीकेटिंग कर आवागमन अवरूद्ध करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने नगरीय निकायों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी स्थानों में बारिश के पूर्व नाले एवं नालियों की सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही निचले स्थानों की पहचान कर वहां से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।

कलेक्टर एवं एसपी ने होमगार्ड की टीम को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य को दृष्टिगत रखते हुए सभी आवश्यक उपकरणों की जांच कर उनका उचित रखरखाव करायें। साथ ही दलों का गठन कर उन्हें जिले के बाढ़ संभावित क्षेत्रों में डिप्लाय करें। दलों का प्रशिक्षण करायें तथा ग्रामवासियों को भी बरती जाने वाली सावधानियों के विषय में अवगत करायें। कलेक्टर ने मेडिकल विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अलर्ट मोड में रहने तथा दवाइयों एवं अन्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

एसडीएम व सीएमओ ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम में दिखाएं तीखे तेवर

आष्टा। नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान 4 जून बुधवार की शाम को साढ़े छः बजे पश्चात सिविल अस्पताल चौराहा से शुरू हुआ। अस्पताल के पीछे के भाग में लगी हुई अनेक गुमटियां तो लोगों ने स्वतः ही हटा ली और कुछ को नगर पालिका के अमले ने जब्त किया और दुकानों के बोर्ड,शेड आदि अतिक्रमण में आने पर जब्त किए गए। एसडीएम स्वाति उपाध्याय मिश्रा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश कुमार सक्सेना ने आज अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान अपने तीखे तेवर दिखाए तथा कहा कि तीन दिनों से नगर में मुनादी करा रहे हैं और उसके बाद भी आप लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया,अब समय नहीं दे सकते हैं,सामान जब्त होगा। कुछ व्यापारियों पर मौके पर ही ऑनलाइन अर्थ दंड किया गया। कुछ व्यापारियों ने विरोध भी किया लेकिन प्रशासन के आगे सफल नहीं हो पाए। अतिक्रमण हटाओ अभियान बुधवार को काफी धीमी गति से चला। सिविल अस्पताल के सामने और आस - पास सब्जी एवं फल -फ्रूट के ठेले नहीं लगने दिए गए ,जिसके कारण मार्ग काफी खुला - खुला व चौड़ा नजर आया। शाम को अस्पताल के सामने से अतिक्रमण हटाओ मुहिम शुरू हुई जो अस्पताल के आसपास चलती रही। नगर पालिका के अमले को बोर्ड व शेड निकालने में काफी समय लगा। परदेशीपुरा, खत्री मार्केट, बुधवारा में मुहिम के चलने के पहले ही दुकानदारों ने नालियों पर लगाएं लोहा के जंगले निकाल लिए थे।

बढ़े हाथ तो देखते ही देखते चमक उठी ग्राम उमरिया की बावड़ी

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम उमरिया वार्ड 07 की प्राचीन बावड़ी में बुधवार को मप्र जन अभियान परिषद एवं नगर परिषद की टीम के संयुक्त प्रयास एवं समुदाय की सहभागिता से सफाई अभियान चलाया गया। तीन घण्टे चले श्रमदान कार्यक्रम में कचरे के ढेर से पटी बावड़ी चमक उठी। सफाई कार्यक्रम में शहरवासी एवं समाजसेवियों ने अपना योगदान दिया। श्रमदान के बाद नागरिकों को अपने- अपने क्षेत्र के जल स्त्रोतों को संरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम नवांकुर संस्था अंबेडकर बुद्धिस्ट चेरिटेबल सोसायटी एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति के बैनर तले आयोजित हुआ। अभियान में जन अभियान परिषद की ब्लाक सम्न्वयक श्रीमती निशा बहेकार सब इंजीनियर मुकेश जैन संस्था के अध्यक्ष सुनील सेरिया, पार्षद सुजीत यादव, राजेंद्र साहू गुड्डू भैया,राजकुमार शर्मा भूपेंद्र नागर आशीष यादव, राजा सरसवाल घनश्याम सरसवाल, विनोद यादव कन्हैया धुर्वे, व कर्मचारी एवं स्थानीय लोग सामिल थे।

जन स्वस्थ कल्याण स्वस्थ शिविर इंटीग्रेटेड हेल्थ कैंप व कम्युनिकेशन कार्यक्रम संपन्न

एड्स एवं शय रोग की लक्षण उपचार रोकथाम जागरूकता था लक्ष्य

सांध्य प्रकाश पाथाखेड़ा। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के निर्देशानुसार एवं स्ब्ब्ह्रस्ट भोपाल से सहायक संचालक श्रीमती मोनल सिंग की उपस्थिति में ओर मुख्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल डॉ राजेश परिहार ,जिला नोडल अधिकारी डॉ आनंद मालवीय सामुदायिक स्वस्थ केंद्र घड़ाडोंगरी क्ब्ब्ह्र डॉ संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड हेल्थ एवं निश्चय शिविर केम्प क्ब्ल्र भवन पाथाखेड़ा में आयोजन किया गया।

शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकरी प्रदान कर विभिन्न स्वास्थ्य जांच और सेवाएं प्रदान की गई !

स्वास्थ्य जांच– ब्लड शुगर की जांच बीपी की जांच एचआईवी स्क्रीनिंग सिफिलिस स्क्रीनिंग टीबी स्क्रीनिंग हेपेटाइटिस बी की स्क्रीनिंग डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार काउंसलर सह डाटा मैनेजर द्वारा ग्रुप काउन्सलिंग कर ॥द्व1 ₇ द्वस्त्रह्य, स्ज्ञढ्ढ, हेपेटाइटिस एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई। और अन्य बीमारियों का शिविर मैं जानकारी दी गई।

जागरूकता पोस्टर और लिफलेट के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। और आईईसी (इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन) के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

रेफरल सेवाएं जो हितग्राही अधिक हाई रिस्क में थे। उन्हें ष्ट॥ष्ट घोड़ाडोगरी एवं जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया गया ताकि उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए आवश्यक सुविधाएं मिल सके। कुल हितग्राहियों की संख्या 160 के लगभग रहे उपस्थित अधिग्रहण प्राथमिक उपचार एवं जांच की गई।

शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय बड़ोदिया, काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर, ढ्ढष्ट्ञष्ट काउंसलर श्री लक्ष्मी नारायण खातरकर , सेक्टर सुपरवाइजर, मधुकर सूर्यवंशी, रुज्ञ, योगेश वाघ , श्री रोहित पंडोल, क्क्ष्ट ,आशीष सोनी कमलाकर जैन, ह्रूश्रीमती चम्पा देशमुख, श्रीमती सागर रवाकर, ष्ट॥रुश्रीमती पुष्पलता खराबे, ह्रक्र्ढ्ढ श्रीमती छाया प्रजापति, श्रीमती भाग्यश्री नामदेव, आशा कार्यकर्ता श्रीमती सरोज मालवीय, श्रीमती मुनिया रघुवंशी, श्रीमती आशा पवार, श्रीमती वर्षा गुप्ता, श्रीमती लक्ष्मी सिंह,क्रश्रीमती संगीता दवन्डे, एवं अन्य आशा कार्यकर्ताएं और जन समुदाय उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन के तहत 30 गांवों के 150 प्रतिनिधियों को मिला मियावाकी तकनीक व जल संरक्षण का प्रशिक्षण

सांध्य प्रकाश बैतूल। चिचोली व घोड़ाडोंगरी विकासखंडों के अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के पदाधिकारियों का ग्राम स्तरीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 30 मई को चिचोली सुनहरा लॉन, 1 जून और 3 जून को घोड़ाडोंगरी राठौर लॉन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मार्गदर्शन में कार्यपालन यंत्री मनोज कुमार बघेल के निर्देशन में किया गया। प्रशिक्षण में चिचोली एवं घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के ग्राम चुड़िया, बलईमाल, बलईरैयत, चुना गोसाई, गोधना, चुना हजुरी, हरदू, सिताडोंगरी, नहरपुर, बाड़ीखापा, जागड़ा, बांसबोड़ी, कतिया कोयलारी, जाजबोड़ी, खरागोंदी, चोपना, जामखोदर, बेलोड़, डांगवा, बिसलदेही, माथनी, केरिया, मर्द्रवानी रैयत, हिरावाड़ी, मरकाढाना, सड़कवाड़ा, सिताकामथ, मेहकार, मेंढापानी सहित 30 गांवों से 150 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें सरपंच, पंच, सचिव,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,आशा कार्यकर्ता, पंप ऑपरेटर, प्लंबर और स्व-सहायता समूह के सदस्य शामिल रहे। जिला समन्वयक एस.एल. मर्सकोले एवं भूपेंद्र मेनवे ने बताया कि जिन ग्रामों में जल जीवन मिशन की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। वहां की जल एवं स्वच्छता समितियों को पूर्व में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया था। अब तीन माह के पश्चात पुनश्चर्या के रूप में यह एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया ताकि समितियां योजनाओं के संचालन और रखरखाव में पूरी दक्षता से कार्य कर सकें।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले ने जापान के प्रसिद्ध 91 वर्षीय बॉटनिस्ट डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित की गई। मियावाकी पद्धति से पौधारोपण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक बहुत कम और बंजर भूमि में भी छोटे, मध्यम और बड़े छायादार पौधे लगाकर घना जंगल तैयार करने की एक वैज्ञानिक विधि है। यह अर्बन फॉरेस्ट श्रेणी की तकनीक है और अब तक इस तकनीक से दुनिया भर में तीन हजार से अधिक जंगल विकसित किए जा चुके हैं। प्रशिक्षण के दूसरे सत्र में प्रतिनिधियों ने विगत तीन माह में किए गए कार्यों की समीक्षा की तथा आगामी कार्यों और चुनौतियों पर चर्चा की जल कर वसूली, समिति संचालन, तथा पानी की गुणवत्ता जांच जैसे अहम विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

MADHYA PRADESH The heart of Incredible India

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट 2025

5 जून 2025 | प्रात: 11:00 बजे
होटल अंजुश्री, उज्जैन, मध्यप्रदेश

स्वास्थ्य और आरोग्य के नये युग में प्रवेश

भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश के उज्जैन में पहली बार आयोजित होने जा रहे 'स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट' का अनुभव करें — जहां आयुर्वेद, योग और समग्र जीवन शैली के वैश्विक विशेषज्ञ और अग्रणी चिन्तक एकत्र होकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, ताकि एक समग्र, चैतन्य और संतुलित जीवनशैली के भविष्य को सही दिशा दी जा सके।

आइये, भारत में आध्यात्मिक और समग्र कल्याण के नए केंद्र के रूप में उभर रहे मध्यप्रदेश के उज्जैन में वैश्विक कल्याण के भविष्य को आकार देने वाले अनूठे अनुभव का हिस्सा बनें।

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मुख्य आकर्षण एवं गतिविधियां

पैनल डिस्कशन
- साझेदारी मॉडल पर विचार-विमर्श
- वेलनेस ईकोसिस्टम और कार्यबल का निर्माण

मुख्यमंत्री के साथ वन-टू-वन मीटिंग्स

वेलनेस विज़निंग (स्वास्थ्य कल्याण परिकल्पना)

वेलनेस सेशंस (स्वास्थ्य कल्याण सत्र)

नॉलेज पार्टनर
EY Shape the future with confidence

इण्डस्ट्री पार्टनर
CII Confederation of Indian Industry

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

D-11039/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी